epaper.dehatsandesh.com

3 सांबा में खेत से मिला ड्रोन, फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

5 असम को अपने क्रिकेट मंच का लंबे समय से था इंतजार: एसीए अध्यक्ष तरंग गोगोई

8 नाबार्ड ने मनाया 45वां स्थापना दिवस, महिला किसानों के योगदान को किया सम्मानित

मौसम जम्मू न्यूनतम 22 अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-176 | जम्मू तवी, बुधवार 15 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

कारगिल विजय हमारी भूमि, पहचान और सम्मान पर उठने वाली हर शत्रुतापूर्ण नज़र का पूरी ताकत से जवाब देने के हमारे संकल्प का प्रतीकः राजनाथ

नई दिल्ली, 14 जुलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर को वापस हासिल किया था और यह विजय भारत की उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत देश अपनी भूमि, पहचान और सम्मान पर उठने वाली किसी भी शत्रुतापूर्ण नज़र का पूरी ताकत से जवाब देगा। उन्होंने यह बात दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक तक आयोजित मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए कही। यह अभियान 1999 के ऑपरेशन विजय की 27वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित समारोहों का हिस्सा है। 13 दिनों तक चलने वाली इस स्मृति यात्रा'शौर्य विजय यात्रा' में 28 मोटरसाइकिल सवार भाग ले रहे हैं, जिनमें सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। यह यात्रा लगभग 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और उत्तरी हिमालय के कठिन एवं दुर्गम क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, ताकि 1999 के कारगिल युद्ध में विजय सुनिश्चित करने वाले भारतीय वीरों के साहस, संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी जा सके। इस अभियान का ध्येय वाक्य है –'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम।' यात्रा के दौरान प्रतिभागी राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की पवित्र मिट्टी से भरा एक कलश अपने साथ लेकर जाएंगे, जिसे कारगिल में शहीदों की स्मृति में अर्पित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने कहा,जब यहां (राष्ट्रीय युद्ध स्मारक) की मिट्टी कारगिल (द्रास

स्मारक) की मिट्टी से मिलेगी, तो यह वर्तमान पीढ़ी की श्रद्धा और हमारे वीरों के अदम्य शौर्य के संगम का प्रतीक बनेगी। उन्होंने देश के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने साहस, धैर्य, अनुशासन और अतुलनीय देशभक्ति का ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिखा, जिसका अध्ययन आज भी दुनिया की सेनाएं सम्मान के साथ करती हैं। उन्होंने कहा,करीब 20,000 फीट की ऊंचाई और शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिरने वाले तापमान में भी हमारे सैनिकों ने अदम्य साहस और दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्य हासिल किए। उन्होंने दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर को वापस लिया तथा तिरंगे की आन, बान और शान को कायम रखा। उन्होंने कहा,कारगिल विजय भारत के उस अटूट संकल्प का प्रतीक है, जिसके तहत हमारी भूमि, पहचान और सम्मान पर उठने वाली हर शत्रुतापूर्ण नज़र का पूरी शक्ति से जवाब दिया

देश के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने साहस, धैर्य, अनुशासन और अतुलनीय देशभक्ति का ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिखा, जिसका अध्ययन आज भी दुनिया की सेनाएं सम्मान के साथ करती हैं।

जाएगा। रक्षा मंत्री ने परम वीर चक्र से सम्मानितकैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय, सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) औरसूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) संजय कुमार (सेवानिवृत्त) सहित सभी भारतीय वीरों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन वीरों ने भी युद्ध में विजय दिलाने में अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इन बहादुर सैनिकों का जीवन देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करता रहेगा। यात्रा के दौरान प्रतिभागीचंडीमंदिर युद्ध स्मारक, रेजांग ला युद्ध स्मारक औरलेह युद्ध स्मारक सहित कई प्रमुख सैन्य स्मारकों पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

वेवीर नारियों से भी मुलाकात करेंगे और उनके साहस तथा धैर्य का सम्मान करेंगे। यह यात्रा26 जुलाई कोकारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध स्मारक पहुंचकर संपन्न होगी।

एलजी सिन्हा ने नशा पीड़ितों के पुनर्वास एवं सामाजिक-आर्थिक पुनर्समावेशन योजना की समीक्षा की

श्रीनगर, 14 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज नशा पीड़ितों के पुनर्वास एवं सामाजिक-आर्थिक पुनर्समावेशन योजना-2026 की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस योजना का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों की लत से उबर रहे व्यक्तियों के पुनर्वास और समाज में पुनः समावेशन के लिए एक समग्र तथा विभिन्न विभागों के समन्वय पर आधारित व्यवस्था स्थापित करना है।

समाज कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव सरमद हफीज ने बैठक में प्रस्तावित योजना की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने बताया कि पुनर्वास एवं सामाजिक-आर्थिक पुनर्समावेशन योजना के तहत तीन वर्षों का एक चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है।

प्रथम चरण – उपचार एवं स्थिरीकरण- इस चरण में चिकित्सकीय उपचार, परामर्श तथा प्रत्येक लाभार्थी के लिए व्यक्तिगत पुनर्वास योजना तैयार की जाएगी।

द्वितीय चरण – पुनर्समावेशन एवं आजीविका सशक्तिकरण- इस चरण में शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार उपलब्ध कराने तथा परिवार के साथ पुनः जुड़ाव सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

तृतीय चरण – निरंतर निगरानी एवं सामाजिक समावेशन- इस चरण के अंतर्गत नियमित अनुवर्ती निगरानी, पुनः नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम, सामुदायिक सहयोग तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से दीर्घकालिक सामाजिक पुनर्समावेशन सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में यह भी बताया गया कि लाभार्थियों के मामलों के डिजिटल प्रबंधन, व्यक्तिगत पुनर्वास योजनाओं की निगरानी, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा पुनर्वास के परिणामों की वास्तविक समय में निगरानी के लिए एक पुनर्वास निगरानी पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस दौरान लाभार्थियों की गोपनीयता का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

बताया गया कि इस योजना का मसौदा मुख्य सचिव के निर्देश पर गृह विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में गठित एक कार्यबल द्वारा तैयार किया गया है। समाज कल्याण विभाग को इस योजना का

बैठक में यह भी बताया गया कि लाभार्थियों के मामलों के डिजिटल प्रबंधन, व्यक्तिगत पुनर्वास योजनाओं की निगरानी, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा पुनर्वास के परिणामों की वास्तविक समय में निगरानी के लिए एक पुनर्वास निगरानी पोर्टल विकसित किया जा रहा है।

नोडल विभाग बनाया गया है। विभिन्न संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों से गठित इस कार्यबल को समन्वित अंतर-विभागीय दृष्टिकोण के माध्यम से नशा पीड़ितों के पुनर्वास एवं सामाजिक-आर्थिक पुनर्समावेशन के लिए व्यापक रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने योजना तैयार करने में कार्यबल द्वारा अपनाए गए व्यापक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुनर्वास की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो समन्वित, मानवीय और परिणाम आधारित हो तथा नशा पीड़ितों की स्थायी रिकवरी, सामाजिक समावेशन और आजीविका के अवसर सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता, परिवार का सहयोग, कौशल विकास तथा निरंतर निगरानी पुनर्वास प्रक्रिया के सबसे महत्वपूर्ण आधार होने चाहिए। उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आपसी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

आकाशीय बिजली गिरने से 50 से अधिक मवेशियों की मौत

जम्मू, 14 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट के ऊपरी इलाकों में मंगलवार तड़के आकाशीय बिजली गिरने से 50 से अधिक पालतू पशुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, रंजाती ढोक क्षेत्र में शौकत हुसैन के मवेशियों के झुंड पर आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में 50 भेड़-बकरियों, एक भैंस और एक गाय की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि ढांडी धारा निवासी शौकत हुसैन इस घटना में सुरक्षित बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई।

एक अन्य घटना में अधिकारियों ने बताया कि हवेली तहसील में सीमा पर लगी बाड़ के पास जीवित विद्युत तार की चपेट में आने से देगवार-मालद्याना निवासी लाल हुसैन के एक बैल की करंट लगने से मौत हो गई।

लद्दाख के उमलिंग ला में दुनिया की सबसे ऊंची अल्ट्रा मैराथन में सेना के मेजर ने हासिल किया पहला स्थान

लेह/जम्मू, 14 जुलाई। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने पूर्वी लद्दाख में आयोजित दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई पर होने वाली अल्ट्रा मैराथन में 70 किलोमीटर की कठिन उमलिंग ला चैलेंज दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारतीय सेना के मेजर दीपक कुमार ने सोमवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि कैप्टन शिवगुरु वेल्लासामी एस ने भी सफलतापूर्वक मैराथन पूरी की। फायर एंड फ्यूरी कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया, 13 जुलाई 2026 को 153 जनरल अस्पताल के मेजर दीपक कुमार और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर के कैप्टन शिवगुरु वेल्लासामी एस ने दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई पर आयोजित होने वाली 70 किलोमीटर की उमलिंग ला चैलेंज अल्ट्रा मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की। इस प्रतियोगिता का आयोजन सरमंग सोसाइटी और सरमंग एडवेंचर टूर्स द्वारा समिट ऑर सरेंडर रेस श्रृंखला के अंतर्गत किया गया था। कोर ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय सेना के जवानों की शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और सबसे कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह मैराथन पूर्वी लद्दाख के उमलिंग ला में आयोजित की गई, जहां सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क गुजरती है। यह सड़क समुद्र तल से लगभग 19,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि इतनी अधिक ऊंचाई और अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अल्ट्रा मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा करना प्रतिभागी सेना अधिकारियों की असाधारण शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और धैर्य का प्रमाण है

पहलगाम आतंकी हमला- लश्कर चीफ हाफिज सईद के खिलाफ गैर जमानती वारंट

जम्मू, 14 जुलाई । पहलगाम आतंकी हमले की चल रही जांच से संबंधित एक मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकी हमले के मामले में सईद के खिलाफ दो दिन पहले पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। इसके बाद अब एनआईए अदालत के विशेष न्यायाधीश ने गैर-जमानती वारंट जारी किया है। जम्मू में एनआईए की विशेष अदालत में दायर पूरक आरोपपत्र में 76 वर्षीय सईद पर व्यक्तिगत रूप से और प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैबा (एलईटी) और उसके सहयोगी मोर्चे, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के प्रमुख के रूप में आरोप लगाए गए हैं। उस पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एनआईए ने अदालत को बताया कि फरार आतंकवादी सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का निवासी है। वह पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड है और जानबूझकर गिरफ्तारी से बच रहा है। एजेंसी ने मामले में आगे की कार्यवाही शुरू करने और किसी भी आगे की जांच में उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए उसके खिलाफ अनिश्चितकालीन गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग की। अदालती आदेश में कहा गया है कि निष्पक्ष, पूर्ण और प्रभावी जांच के लिए सईद की गिरफ्तारी और हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसलिए उसके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाना जरूरी है। अदालत ने कानून के अनुसार गिरफ्तारी वारंट का निष्पादन करने के लिए उप महानिरीक्षक (डीआईजी), एनआईए जम्मू को भेजा है।

कुख्यात ड्रग तस्कर की 1.23 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दो अचल संपत्तियां कुर्क

सोपोर, 14 जुलाई । सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को और तेज करते हुए सोपोर पुलिस ने एक फरार और कुख्यात ड्रग तस्कर की 1.23 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दो अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।

कुर्क की गई संपत्तियों में एक दो मंजिला आवासीय मकान (चारदीवारी सहित) तथा सर्वे नंबर 365 मिन के तहत 1 कनाल 10 मरला भूमि शामिल है। इन दोनों संपत्तियों का कुल मूल्य 1.23 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 68स्र के अंतर्गत कुर्क की गई यह संपत्तियां सोपोर के जामिया कदीम निवासी मोहम्मद अशरफ मीर उर्फ आशु, वर्तमान निवासी क्रांकशिवन कॉलोनी, नगीन बाग-बी सोपोर के नाम पर हैं।

पुलिस थाना सोपोर में दर्ज एफ.आई.आर. संख्या 23/2026 की जांच के दौरान की गई विस्तृत वित्तीय जांच में यह सामने आया कि उक्त संपत्तियां मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित आय से खरीदी गई थीं। एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई पूरी की गई। पुलिस के अनुसार मोहम्मद अशरफ मीर उर्फ आशु इस मामले में फरार है और उसके खिलाफ पहले ही ह्यू एंड क्राई नोटिस तथा लुक आउट नोटिस जारी किया जा चुका है।

सेशन कोर्ट ने श्रीनगर के एसएसपी के खिलाफ केस दर्ज करने के मजिस्ट्रेट के आदेश पर लगाई रोक

श्रीनगर, 14 जुलाई । श्रीनगर की एक सत्र अदालत ने मंगलवार को निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जीवी संदीप चक्रवर्ती के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया था

मजिस्ट्रेट की अदालत ने 6 जुलाई को आईपीएस अधिकारी के खिलाफ स्वतः संज्ञान (स्वयं के प्रस्ताव पर) मामला शुरू किया था, जिसमें चक्रवर्ती पर अदालत के आदेशों की बार-बार अवहेलना करने और बारामूला के बांदीपुर जिले में गिरफ्तारी वारंट को निष्पादित करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था।

एसएसपी की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए द्वितीय अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश ने आदेश पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया। अदालत ने अगली सुनवाई 27 जुलाई के लिए निर्धारित की। इस आदेश को कई आधारों पर चुनौती दी गई और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने मामले का रिकॉर्ड मंगाया।

जम्मू-कश्मीर में 18 जुलाई से भारी बारिश और अचानक बाढ़ आने की संभावना

श्रीनगर, 14 जुलाई । मौसम विभाग ने 18 जुलाई से पूरे जम्मू-कश्मीर में मौसम में बड़े बदलाव का अनुमान लगाया है। संवेदनशील इलाकों में भारी बारिश और अचानक बाढ़ आने की संभावना है। 17 जुलाई तक मौसम आम तौर पर गर्म और उमस भरा रहेगा। साथ ही कुछ जगहों पर थोड़ी देर के लिए बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अनुमान के मुताबिक 18 जुलाई से मौसम बदलेगा। आसमान में आंशिक रूप से या पूरी तरह बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। जम्मू डिवीज़न के कुछ इलाकों में थोड़ी देर के लिए बहुत तेज़ बारिश भी हो सकती है। 20 से 22 जुलाई के बीच बारिश की गतिविधि और बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान केंद्र शासित प्रदेश में ज़्यादातर जगहों पर बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होगी। बारिश का सबसे तेज़ दौर 21 जुलाई को होने की संभावना है। कश्मीर और जम्मू दोनों डिवीज़न के कुछ इलाकों में भारी बारिश या थोड़ी देर के लिए तेज़ बौछारें पड़ सकती हैं। 23 जुलाई को भी कई जगहों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 18 जुलाई की देर रात 19 जुलाई की सुबह और फिर 20 से 22 जुलाई के बीच (खासकर देर दोपहर और देर रात या सुबह-सुबह) भारी बारिश और थोड़ी देर के लिए तेज़ बौछारें पड़ सकती हैं।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में पीएमजीएसवाई कार्यों की समीक्षा की, पीएमजीएसवाई-4 के तहत 7,790 करोड़ रुपये की लागत से बनेंगी 646 नई सड़कें

श्रीनगर, 14 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत जम्मू-कश्मीर में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, लोक निर्माण (सड़क एवं भवन) विभाग, वन विभाग के आयुक्त सचिव, मुख्य अभियंता पीएमजीएसवाई जम्मू एवं कश्मीर तथा ग्रामीण सड़क संपर्क कार्यक्रम के क्रियान्वयन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी एवं क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने पीएमजीएसवाई चरण-1, चरण-2 और चरण-3 के तहत हुई भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने पीएमजीएसवाई-4 के क्रियान्वयन की रणनीति और भावी कार्ययोजना पर भी चर्चा की। यह जम्मू-कश्मीर में अब तक का सबसे बड़ा ग्रामीण सड़क संपर्क कार्यक्रम होगा। पीएमजीएसवाई-4 की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि इस योजना के तहत प्रस्तावित निवेश का स्तर अभूतपूर्व है और यह ग्रामीण अवसंरचना को मजबूत करने तथा जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़क संपर्क में किया जा रहा यह ऐतिहासिक निवेश दूरदराज के गांवों को हर मौसम में सड़क सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, बाजारों, पर्यटन तथा रोजगार के अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाकर सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बनेगा।

रेलवे ने ठेकेदारों के नियम किए सख्त, माल ढुलाई वैगनों के डिज़ाइन के लिए निजी उद्योगों को दी अनुमति

नई दिल्ली, 14 जुलाई भारतीय रेलवे ने परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, माल परिवहन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने तथा लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान इन सुधारों की जानकारी दी। यह कदम रेलवे मंत्रालय द्वारा इस वर्ष लागू किए जाने वाले 52 सुधारों की व्यापक योजना का हिस्सा है।

नई व्यवस्था के तहत रेलवे परियोजनाओं में भाग लेने वाले ठेकेदारों के लिए पात्रता नियमों को और सख्त किया गया है। अब ठेकेदारों को कार्य शुरू होने से पहले ही अनुबंध मूल्य का 10 प्रतिशत प्रदर्शन सुरक्षा जमा करानी होगी। पहले यह राशि कार्य के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले बिलों से काटी जाती थी।

इसके अलावा जिन ठेकेदारों के लंबित न्यायिक विवाद उनकी कुल संपत्ति के 50 प्रतिशत से अधिक होंगे, वे रेलवे की निविदाओं में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे।

परियोजनाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए व्यावसायिक दायित्व बीमा तथा सर्व जोखिम बीमा

को भी अनिवार्य किया गया है।

इन सुधारों के बारे में जानकारी देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, **卐इन बदलावों से रेलवे के कार्यों में केवल गंभीर और प्रतिबद्ध लोग ही भाग लेंगे।卐 उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार करना और ऐसे ठेकेदारों को हतोत्साहित करना है, जो मुख्य रूप से मध्यस्थता और न्यायिक विवादों पर निर्भर रहते हैं।

रेलवे ने निजी उद्योगों के लिए माल ढुलाई वैगनों के डिज़ाइन विकसित करने का रास्ता भी खोल दिया है। अब उद्योग अपनी परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार नए वैगन डिज़ाइन तैयार कर सकेंगे।

इन डिज़ाइनों का मूल्यांकन अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन आरडीएसओ करेगा। इसके बाद प्रोटोटाइप परीक्षण, सुरक्षा प्रमाणन तथा अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद ही उन्हें रेलवे नेटवर्क में शामिल किया जाएगा।

माल परिवहन क्षेत्र में एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार के तहत अब फ्लाई ऐश का परिवहन बंद कंटेनरों के माध्यम से किया जाएगा। वर्तमान में इसका अधिकांश परिवहन खुले वैगनों में किया जाता है।

अमरनाथ गुफा के लिए 5,335 तीर्थयात्रियों का 13वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, 14 जुलाई । वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का 13वां जत्था मंगलवार सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। 5,335 श्रद्धालु कश्मीर के बालटाल और पहलगाम स्थित दोहरे आधार शिविरों की ओर बढ़ रहे हैं।

संयुक्त पुलिस नियंत्रण कक्ष (जेपीसीआर) के अनुसार बालटाल मार्ग से काफिला सुबह 2:42 बजे रवाना हुआ, जबकि पहलगाम मार्ग से काफिला सुबह 3:10 बजे जम्मू और कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सुरक्षा में रवाना हुआ। कुल

तीर्थयात्रियों में से 1,736 बालटाल मार्ग से और 3,599 ने पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा की। तीर्थयात्रियों में 3,911 पुरुष, 1,288 महिलाएं, 21 बच्चे, 90 साधु, 24 साध्वियां और एक ट्रांसजेंडर तीर्थयात्री शामिल थे। इस काफिले में 232 वाहन थे जिनमें 138 बसें, 36 मध्यम मोटर वाहन (एमएमवी), 57 हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) और एक दोपहिया वाहन शामिल थे। इनमें से 99 वाहन बालटाल की ओर रवाना हुए जबकि 133 वाहन पहलगाम की ओर बढ़े।

नवीनतम जत्थे के प्रस्थान के साथ ही इस वर्ष बागवती नगर जम्मू से गुफा मंदिर के लिए रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 93,036 हो गई है, जो चल रही वार्षिक तीर्थयात्रा में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के निरंतर प्रवाह को दर्शाता है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंदरकोट, रामबन और बनिहाल जैसे प्रमुख पारगमन बिंदुओं सहित सभी जगह सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं ताकि यात्रा काफिलों की सुरक्षित और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित हो सके। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत यातायात प्रतिबंध और नियंत्रित काफिला आवागमन अभी भी लागू हैं।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

पालमपुर

अपने में समेटे है अनगिनत धरोहर

पालमपुर हिमाचल प्रदेश की मनोरम वादियों में बसा एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है। हिमाचल प्रदेश की इस छोटी सी सैरगाह को धौलाधार पर्वतमाला के साये में फैली कांगड़ा घाटी का सुंदरतम स्थान कहा जाता है। समुद्र तल से 1205 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पालमपुर सर्दी हो या गर्मी, हर मौसम में सैलानियों को आकर्षित करता है। कहते हैं पालमपुर के नाम की उत्पत्ति स्थानीय बोली के 'पुलम' शब्द से हुई थी। जिसका अर्थ पर्याप्त जल होता है। वास्तव में इस क्षेत्र में जल की कोई कमी नही है। हर ओर जल के सोते, झरने या नदियां मौजूद हैं। शायद इसीलिए यहां की हवाओं में शीतलता के साथ नमी भी है। हवाओं की यह नमी और पहाड़ी ढलानों पर खुलकर पड़ती सूर्य की किरणों का मिला-जुला रूप यहां की जलवायु को एक विशिष्टता प्रदान करता है। एक ऐसी विशिष्टता जो चाय की खेती के अनुकूल है। इस क्षेत्र की यह खासियत भांप कर 1849 में डा. जमसन ने यहां पहली बार चाय की खेती की थी। कुछ दशकों में ही कांगड़ा घाटी की चाय विश्व प्रसिद्ध हो गई।

खूबसूरत नजारे

आज पालमपुर शहर बड़े-बड़े चाय बागानों के मध्य ही बसा है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण ये हरे-भरे चाय के बागान हैं। पैदल घूमते हुए मार्ग के दोनों और दूर-दूर तक चाय के झाड़ीनुमा पौधे और उनमें पत्तियां चुनते लोग एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते है। कमर पर लंबी टोकरी बांधे ये लोग अपने काम में व्यस्त रहते है। कुछ पर्यटक भी इन बागानों के मध्य घूमते पहुंच जाते है। जो अपने आप में अलग ही अनुभव होता है। पालमपुर में 'न्युगल खड' नामक स्थान एक पिकनिक स्पॉट के समान है। यह स्थान पहाड़ के छोर पर एक खड़ी चट्टान पर स्थित है। जहां से बादला जलधारा और धौलाधार की 15000 फुट से ऊंची पर्वत श्रंखलाओं का खूबसूरत नजारा दिखाई पड़ता है। इस स्थान से हर दिशा में प्राकृतिक सुषमा का साम्राज्य देखने को मिलता है। यहां पर्यटन विभाग का न्युगल कैफे भी है। दूर ही करीब 5 शताब्दी पुराना बांदला माता मंदिर और विंध्यवासिनी मंदिर भी दर्शनीय है। चाय बागानों के अतिरिक्त चीड़ व देवदार के जंगल भी पालमपुर की हरीतिमा में अपना योगदान देते हैं।

पालमपुर शहर का केंद्र सुभाष चौक है जिसके आसपास यहां का बाजार फैला है। जहां अनेक फास्ट फूड पार्लर और रेस्तरां हैं। पर्यटक चाहें तो कोआपरेटिव टी फैक्ट्री में चाय की प्रोसेसिंग का काम भी देख सकते हैं। यहां पहुंच कर चाय की महक और उसका स्वाद उन्हें चाय खरीदने को भी अवश्य आकर्षित कर लेगा। एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में पालमपुर की प्रसिद्धि का एक और बड़ा कारण है।

दरअसल इस स्थान को आधार बनाकर सैलानी हिमाचल प्रदेश कि सुप्रसिद्ध कांगड़ा घाटी के अनेक दर्शनीय स्थल सरलता से देख सकते हैं। इसके लिए पहले सैलानी कांगड़ा घाटी रेलवे की टॉय ट्रेन का मनमोहक सफर तय कर पालमपुर पहुंचते हैं। जिसके आसपास विभिन्न दिशाओं में कई महत्वपूर्ण स्थल थोड़ी-थोड़ी दूर स्थित हैं। जहां बस या टैक्सी द्वारा जाना आसान है। 13 कि.मी. दूर स्थित आंद्रेटा ऐसा ही एक स्थान है। यह स्थान कलाप्रेमियों का तीर्थ कहा जाता है। यह स्थान ग्रामीण व पंजाबी थियेटर को समर्पित नोरा रिचर्ड की स्मृतियों से जुड़ा है। वह गांधी जी की शिष्या भी थीं। उनके अलावा आंद्रेटा का संबंध प्रसिद्ध चित्रकार पद्मश्री सोबा सिंह व बीसी सान्याल से भी है।

यहां सोबा सिंह की छोटी सी कला दीर्घा है। जहां उनके बहुत से चित्रों में सोहनी-महिवाल, हीर रांझा व कांगड़ा दुल्हन जैसे प्रसिद्ध चित्र भी प्रदर्शित हैं। प्रसिद्ध ऐतिहासिक बैजनाथ मंदिर पालमपुर से मात्र 18 कि.मी. दूर है। लगभग 1200 वर्ष प्राचीन यह मंदिर वास्तुशिल्प व पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की गिनती 12 ज्योतिर्लिंगों में होती है। मंदिर के आसपास सुंदर उद्यान है। जहां से पर्वतशिखरों पर मंडराते बादलों का दृश्य पर्यटकों को प्रभावित करता है। शिवरात्रि पर यहां एक विशाल मेला लगता है।

चामुण्डा देवी मंदिर

पालमपुर से लगभग 17 कि.मी. दूर एक और धार्मिक स्थल चामुण्डा देवी मंदिर है। यह स्थान चामुण्डा- नंदिकेश्वर धाम' के रूप में भी जाना जाता है। बाण गंगा के तट पर स्थित यह धाम एक उग्र सिद्ध पीठ है। मां काली ने जिस रूप में यहां चण्ड-मुण्ड राक्षसों का वध किया था। उस रूप को यहां चामुण्डा देवी के रूप में पूजा गया। नवरात्रों के मौके पर यहां भक्तों की अपार भीड़ होती है। चामुण्डा से मात्र 18 कि.मी. दूर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल धर्मशाला है। पालमपुर से कांगड़ा का वज्रेश्वरी देवी मंदिर और ज्वाला जी का ज्वालामुखी मंदिर भी पालमपुर से अधिक दूर नहीं हैं।

वज्रेश्वरी देवी को नगरकोट कांगड़े वाली माता भी कहा जाता है। वहीं ज्वालामुखी मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक होने के कारण प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। मान्यता है कि इस स्थान पर सती की जिह्वा गिरी थी। यहां चट्टान की दरारों से निरंतर एक ज्वाला प्राकृतिक रूप से निकलती रहती है। नीले रंग की यह ज्वाला ही देवी का रूप मानी जाती है। मंदिर में देवी की प्रतिमा भी विद्यमान है। ज्वाला जी मंदिर का स्वर्ण से मढ़ा गुंबद अत्यंत भव्य है। कृपालेश्वर मंदिर, वीर भद्र मंदिर, कुरुक्षेत्र कुण्ड व गुप्तगंगा कांगड़ा के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

कांगड़ा घाटी के बीड़ व बिलिंग स्थान साहसिक खेलों से जुड़े हैं। ये स्थान पालमपुर से मात्र एक-डेढ़ घंटे की दूरी पर स्थित है। इनकी गिनती देश के महत्वपूर्ण पैराग्लाइडिंग केंद्रों के रूप में होती है। इनके अलावा पालमपुर से कुछ चुने हुए ट्रैकिंग मार्ग भी विभिन्न दिशाओं की ओर जाते हैं जिन पर प्रकृति का वैभव ट्रैकिंग के शौकीन लोगों की प्रतीक्षा करता है। पालमपुर से कुछ दूर गोपालपुर वन्यप्राणी उद्यान है। चामुण्डा मंदिर की ओर जाते हुए यह उद्यान भी देखा जा सकता है।

पालमपुर

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्रमुख स्थलों की सैर करने के लिए पालमपुर एक उपयुक्त आधार स्थल है। मानसून को छोड़ कर आप यहां हर मौसम में जा सकते हैं। पालमपुर का निकटतम ब्रॉडगेज रेलवे स्टेशन पठानकोट है। जहां से छोटी लाइन की टॉय ट्रेन द्वारा सैलानी पालमपुर पहुंच सकते हैं। पालमपुर स्टेशन से शहर करीब तीन किलोमीटर दूर है। स्टेशन से टैक्सी द्वारा शहर तक पहुंच सकते हैं। बस मार्ग द्वारा पालमपुर मंडी, चंडीगढ़, धर्मशाला, शिमला व दिल्ली से जुड़ा है। अमृतसर व चंडीगढ़ के हवाईअड्डे यहां के निकटतम हवाई अड्डे हैं।

कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने के उद्देश्य से इस मार्ग पर चलने वाली विशेष रेलगाड़ी कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद उठाना उपयुक्त है। यह देश के उन कुछ रास्तों में से एक है जिनपर अब भी छोटी लाइन की गाड़ियों का आनंद लिया जा सकता है। घुमावदार पहाड़ी रास्तों से गुजरने वाली इस ट्रेन की खिड़की से प्रकृति के अनेक रूप देखने को मिलते हैं। पठानकोट से पालमपुर तक चलने वाली यह टाय ट्रेन पर्यटकों के लिए खासतौर पर शताब्दी शैली में चलाई जाती है। सुबह सवा आठ बजे पठानकोट से प्रस्थान कर यह ट्रेन दोपहर एक बजे के लगभग पालमपुर पहुंचती है।

यूं तो मार्ग में अनेक स्टेशन है। किंतु यह ट्रेन केवल कांगड़ा व ज्वालामुखी रोड स्टेशन पर ही रुकती है। पहाड़ों पर खिले रंग-बिरंगे जंगली फूल, दूर तक दिखते धान के खेत, स्लेट पत्थर की छत वाले घर और घाटी के स्थानीय सीधे-सादे लोग टॉय ट्रेन से दिखने वाले दृश्यों में विविध रंग भरते है। मार्ग का आकर्षण ट्रेन गुजरती है तो यात्री बरबस अलावा पहाड़ी नदियों पर बने गोलाकार मोड़ भी सैलानियों को में कांगड़ा घाटी रेलवे का यह सफर बन जाता है

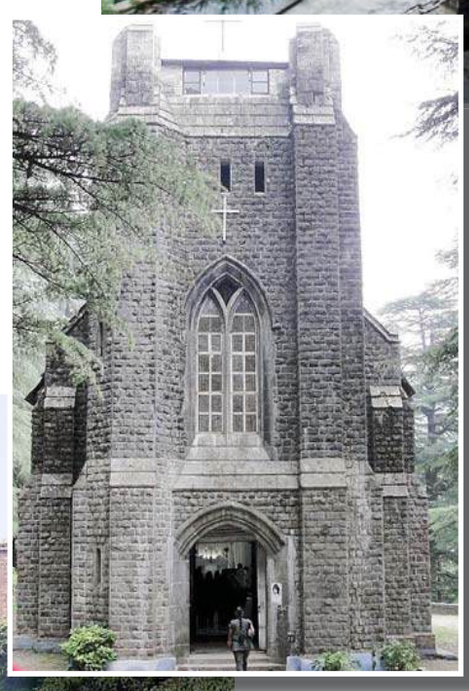

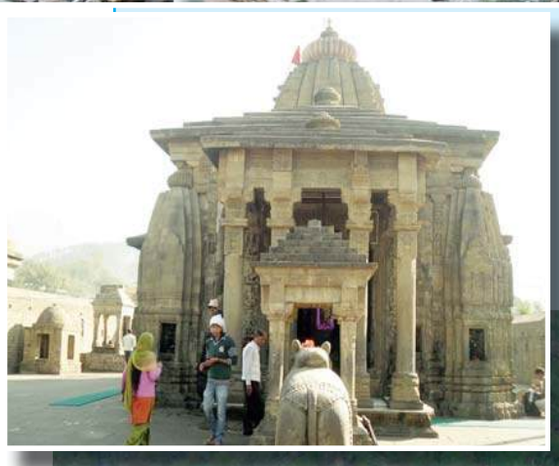

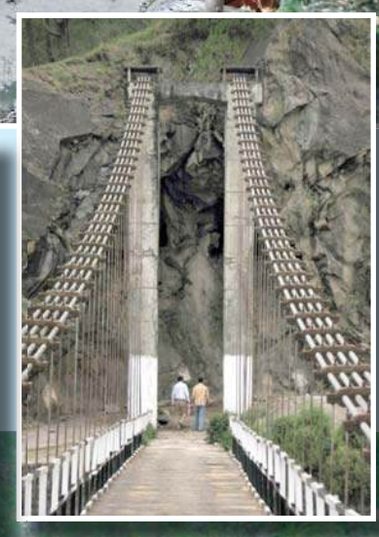

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

सांबा में खेत से मिला ड्रोन, फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

सांबा, 14 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के सांबा में एक ड्रोन मिला है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को सांबा जिले में एक खेत से ड्रोन मिला। यह ड्रोन चक सलारिया के निवासी को देवक के पास खेत में पड़ा मिला। उन्होंने सुबह इसे देखा था। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति ने तुरंत पास की आर्मी यूनिट को सूचना दी और इसके बाद ड्रोन को जब्त कर लिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह कहां से आया है। इसकी तकनीकी खासियत क्या है और क्या इसका इस्तेमाल सीमा पार की किसी गतिविधि के लिए किया गया था।

इससे पहले पास के नंदपुर गांव में सेना के जवानों ने सोमवार रात अरनिया की तरफ से आ रही एक अज्ञात उड़ने वाली चीज देखी जिसके ड्रोन होने का शक था। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने तुरंत अपना एंटी-ड्रोन प्रोटोकॉल एक्टिवेट किया और संदिग्ध ड्रोन के खिलाफ जैमिंग की कार्रवाई शुरू की। उन्होंने कहा कि मिला हुआ ड्रोन वही उड़ने वाली चीज हो सकती है और माना जा रहा है कि जैमिंग ऑपरेशन के बाद वह नीचे गिर गया।

कठुआ क्रिकेट लीग में ब्लास्टर्स और एडमिन 11 की शानदार जीत

कठुआ, 14 जुलाई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ द्वारा यूथ फॉर स्पोर्ट्स यूथ अगेंस्ट ड्रग्स थीम के तहत आयोजित कठुआ क्रिकेट लीग में मंगलवार को खेले गए ग्रुप स्टेज मुकाबलों में कठुआ ब्लास्टर्स और कठुआ एडमिन 11 ने शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले जीडीसी (बॉयज) कठुआ के स्पोर्ट्स ग्राउंड में खेले गए।

सुबह खेले गए मैच में कठुआ ब्लास्टर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए साब जी 11 को 87 रन से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्लास्टर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाए। निखिल शर्मा ने 42 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि करण ने 27 गेंदों में 44 रन और निशांक महाजन ने 37 रन जोड़े। अंत में राम (14), आदित्य राजपूत (नाबाद 10), शिवम सिंह (नाबाद 10) और अनुभव अंडोत्रा (नाबाद 6) ने टीम का स्कोर मजबूत किया।

साब जी 11 की ओर से मुनीश शर्मा ने 2 विकेट लिए जबकि संजय साब, अभि शर्मा और नीरज भाई को एक-एक सफलता मिली। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साब जी 11 20 ओवर में 7 विकेट पर 113 रन ही बना सकी। कमल कुमार ने नाबाद 35 रन बनाए जबकि अनुज सिंह और मुनीश शर्मा ने 16-16 रन का योगदान दिया।

कठुआ ब्लास्टर्स की ओर से अनुभव अंडोत्रा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट झटके जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल रहा। करण ने 2/16 और साहिल ने 1 विकेट लेकर टीम को बड़ी जीत दिलाई। शाम के मुकाबले में कठुआ एडमिन 11 ने गुर्हा मुंडियां जायंट्स को 4 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुर्हा मुंडियां जायंट्स की टीम 17.2 ओवर में 107 रन पर सिमट गई। दीपक डोगरा ने 27 रन बनाए जबकि अरुण शर्मा ने 15 और विकास शर्मा 14 रन बनाकर नाबाद रहे। एडमिन 11 की ओर से सुनील ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 10 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। सौरव शर्मा ने 2 विकेट जबकि सुनील सिंह, विशाल खजूरिया और आकाश ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कठुआ एडमिन 11 ने 16.5 ओवर में 6 विकेट खोकर 108 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। प्रिंस जसरोटिया ने 29 रन, अजय देव ने 25 रन बनाए जबकि मुस्ताक 15 रन बनाकर नाबाद रहे। सिमरनजीत सिंह ने नाबाद 6 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। गुर्हा मुंडियां जायंट्स की ओर से दीपक डोगरा और रॉबिन सिंह ने 2-2 विकेट लिए जबकि साहिल शर्मा ने एक विकेट हासिल किया। इन जीतों के साथ कठुआ ब्लास्टर्स और कठुआ एडमिन 11 ने लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। टूर्नामेंट के माध्यम से जिले के युवाओं में खेल भावना, फिटनेस और नशा मुक्त समाज का संदेश दिया जा रहा है।

ग्रेटर कैलाश में एफसीएस एंड सीए व लीगल मेट्रोलॉजी की संयुक्त बाजार जांच, उल्लंघन पर 62 हजार का जुर्माना

जम्मू, 14 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (एफसीएस एंड सीए) विभाग, जम्मू के निदेशक राजेश कुमार शावन के निर्देश पर आज ग्रेटर कैलाश क्षेत्र में संयुक्त बाजार निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व उप निदेशक खाद्य एवं राशनिंग श्याम अबरोल ने किया। इस दौरान एफसीएस एंड सीए विभाग तथा लीगल मेट्रोलॉजी विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

संयुक्त टीम ने बड़ी संख्या में किराना दुकानों, विद्युत उपकरणों की दुकानों, खाद्य प्रतिष्ठानों तथा अन्य व्यावसायिक संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य आवश्यक वस्तु अधिनियम, लीगल मेट्रोलॉजी अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम तथा अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना था।

निरीक्षण के दौरान मूल्य सूची का प्रदर्शन, तौल एवं माप उपकरणों की शुद्धता, वस्तुओं की गुणवत्ता, अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का पालन, समाप्ति तिथि, बिलिंग व्यवस्था तथा उपभोक्ता अधिकारों की जांच की गई।

जांच के दौरान कई दुकानों में मूल्य सूची प्रदर्शित न करना, तौल एवं माप उपकरणों का सत्यापन न कराना, अनिवार्य जानकारी का अभाव तथा अन्य अनियमितताएं पाई गईं। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर लगभग 62 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही भविष्य में नियमों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि दोबारा उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निदेशक राजेश कुमार शावन ने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, पारदर्शी मूल्य व्यवस्था तथा गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापारी या व्यावसायिक प्रतिष्ठान को अनुचित व्यापारिक गतिविधियों, अधिक मूल्य वसूली या उपभोक्ता हितों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की कार्रवाई की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विभाग ने सभी व्यापारियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से मूल्य सूची प्रदर्शित करने, सही तौल-माप, गुणवत्ता मानकों, स्वच्छता तथा उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित सभी कानूनी प्रावधानों का पालन करने की अपील की है। विभाग ने बताया कि ऐसे बाजार निरीक्षण अभियान जम्मू संभाग में नियमित रूप से जारी रहेंगे। साथ ही सभी सहायक निदेशकों को व्यि

पुलिस ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत एक कुख्यात अपराधी को लिया हिरासत में

जम्मू, 14 जुलाई (हि.स.)। आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू पुलिस ने आर.एस. पुरा इलाके में पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के प्रावधानों के तहत एक कुख्यात अपराधी को हिरासत में लिया है। डिविजनल कमिश्नर जम्मू द्वारा 9 जुलाई 2026 को जारी आदेश संख्या 10/2026 के तहत पीएसए वारंट पर कार्रवाई करते हुए आर.एस. पुरा पुलिस स्टेशन ने करण कुमार उर्फ अनिल उर्फ नंदी पिता बलवंत राज निवासी वार्ड नंबर 9, चोहाला, आर.एस. पुरा, जिला जम्मू को हिरासत में लिया।

यह ऑपरेशन आर.एस. पुरा पुलिस स्टेशन की टीम ने एसएचओ के नेतृत्व में और एसपी हेडक्वार्टर जम्मू की समग्र निगरानी में चलाया। संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी के बाद आरोपी को पकड़ा गया और पीसए वारंट को सफलतापूर्वक लागू किया गया। उसे जिला जेल राजौरी में रखा गया है।

घाटी के अवंतीपुरा में गति-शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल स्थापित करने के लिए निवेशकों से ईओआई आमंत्रित, क्षेत्र के औद्योगिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

जम्मू, 14 जुलाई। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स विकास को गति देने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल के नेतृत्व में एक बार फिर महत्वपूर्ण पहल के साथ अवंतीपुरा रेलवे स्टेशन पर अनुसूची-2 के तहत गति-शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल - त्रष्ठञ स्थापित करने के लिए इच्छुक निवेशकों, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों और औद्योगिक इकाइयों से रुचि की अभिव्यक्ति - EOI" आमंत्रित की गई है। यह ईओआई रेलवे बोर्ड के मास्टर सर्कुलर 2026 के अंतर्गत जारी की गई हैं, जिसके अंतर्गत प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026, दोपहर 15:30 बजे निर्धारित है। निवेशकों के लिए टेंडर शुल्क और श्वस्थ्र शून्य होने से छोटे और मध्यम उद्यमी भी बिना किसी वित्तीय बोझ के इस योजना में भाग ले सकेंगे।

इस नए कार्गो टर्मिनल की स्थापना से क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण लाभ होंगे। सबसे पहले, औद्योगिक इकाइयों और लॉजिस्टिक्स कंपनियों को रेल के माध्यम से सामान भेजने की सुविधा मिलने से परिवहन लागत में भारी कमी आएगी। इससे वस्तुओं की कीमतें प्रतिस्पर्धी होंगी और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। दूसरा, यह टर्मिनल फर्स्ट-माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की समस्या को दूर करेगा जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों को भी रेल नेटवर्क से जुड़ने का अवसर मिलेगा। तीसरा, अवंतीपुरा में त्रष्ठञ बनने से रेल कार्गो यातायात में वृद्धि होगी, जिससे रेलवे की राजस्व में बढ़ोतरी के साथ-साथ सड़क पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। इसके अतिरिक्त, इस परियोजना से क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे और समग्र आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

इच्छुक निवेशक अपने प्रस्ताव के संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे जम्मू से सम्पर्क कर सकते हैं। जिसकी अंतिम तिथि 29 जुलाई है। इस योजना के तहत व्यक्ति, फर्म, कंपनी, LLP, JV तथा सरकारी एजेंसियां आवेदन कर सकती हैं। चयन प्रक्रिया में उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जो रेलवे से न्यूनतम टर्मिनल शुल्क और टर्मिनल एक्सेस शुल्क का हिस्सा मांगेंगे।

इस महत्वपूर्ण पहल के तहत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू ने कहा, द्रुफ्रगति-शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल प्रधानमंत्री जी के गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अवंतीपुरा में इस टर्मिनल के बनने से न केवल जम्मू-कश्मीर के उद्योगों को राष्ट्रीय बाजार से सीधा जुड़ाव मिलेगा, बल्कि निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। मैं सभी निवेशकों और उद्यमियों से अपील करता हूं कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर क्षेत्र के विकास में भागीदार बनें। जम्मू मंडल इस परियोजना को सफल बनाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

महानपुर कॉलेज की छात्रा प्रीति सुम्ब्रिया ने रचा इतिहास, जम्मू विश्वविद्यालय में 10वां स्थान हासिल

कठुआ, 14 जुलाई (हि.स.)। जीडीसी महानपुर की बी.ए छठे सेमेस्टर की छात्रा प्रीति सुम्ब्रिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जम्मू विश्वविद्यालय के बी.ए (कला संकाय) परीक्षा परिणाम में ओवरऑल 10वां स्थान हासिल कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि कॉलेज के इतिहास में पहली बार दर्ज हुई है।

प्रीति ने छठे सेमेस्टर में 435 अंक (87 प्रतिशत) तथा कुल 2492 अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय के टॉप विद्यार्थियों में स्थान बनाया। उन्होंने अर्थशास्त्र को मेजर और समाजशास्त्र को माइनर विषय के रूप में लिया था। शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ प्रीति सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रहीं। कॉलेज के एनएसएस यूनिट से जुड़कर उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और उत्कृष्ट सेवा के लिए बेस्ट एनएसएस वॉलंटियर अवॉर्ड भी प्राप्त किया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ संगीता सूदन ने इस उपलब्धि पर प्रीति को बधाई देते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया तथा शिक्षकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज परिवार ने प्रीति सुम्ब्रिया को इस सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एनसी सांसद आगा रूहुल्लाह ने नई पार्टी बनाने की खबरों का किया खंडन

श्रीनगर, 14 जुलाई (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रें स के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने मंगलवार को नई राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि मीडिया इस घटनाक्रम को देखने के लिए उनसे कहीं ज़्यादा उत्सुक है। बडगाम में पत्रकारों से बात करते हुए रूहुल्लाह ने कहा कि उन्होंने अभी तक कोई पार्टी नहीं बनाई है। नई पार्टी बनाने की इच्छा मीडिया को मुझसे ज़्यादा है। अगर आप कोई नई पार्टी बनाना चाहते हैं तो बनाइए, फिर मैं देखूंगा कि क्या वह अच्छी पार्टी है और उसमें शामिल हो जाऊंगा।नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रस्तावित जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन पर रूहुल्लाह ने दोहराया कि वह इसमें शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि लोगों का जनादेश अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए था न कि सिर्फ़ राज्य का दर्जा पाने के लिए। उन्होंने कहा कि मैंने साफ़ कर दिया है कि मैं विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हो रहा हूं। हमारी ज़िम्मेदारी अनुच्छेद 370 के लिए लड़ना है क्योंकि यह हमारी पहचान और सम्मान से जुड़ा है। लोगों ने हमें अनुच्छेद 370 के लिए जनादेश दिया था न कि राज्य का दर्जा पाने के लिए।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मण्डल अभियंता- मुख्यालय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि **03.08.2026** समय **15:00** बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	पैकेट प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**निविदा समापन की तिथि तथा समय**
10.07.2026	20.07.2026	03.08.2026 15:00 बजे

क्रम संख्या	निविदा संख्या, तारीख	निविदा का विवरण
1.	49-2026-27-DEN-HQ-FZR	मंडल अभियंता-मुख्यालय/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में जालंधर सिटी-फिरोजपुर-TRR (P)-36.172 Tkm का काम कई जगहों पर होगा: लुधियाना-फिरोजपुर सेक्शन पर Km 1.33 से Km 11.255 (एसएल), Km 79.93 से Km 89 (एसएल) और Km 12.816 से Km 19.85 (यूपी); जालंधर शहर-फिरोजपुर सेक्शन पर Km 20 से Km 21.449 (एसएल), Km 38.5 से Km 41.169 (एसएल), Km 43 से Km 45.4 (एसएल); कोटकपूरा-फाजिल्का सेक्शन पर Km 9.2 से Km 12 (एसएल), Km 17.465 से Km 18.29 (एसएल) और इसके साथ ही फिरोजपुर डिवीजन में कई जगहों पर TFR 36.172 KM का काम भी TFR 709.177 TKM के साथ किया जाएगा।

विज्ञापन मूल्य (रू0)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
41671393.74	833400.00	60 दिन	12 महीने

समान प्रकीर्ति का कार्य:- "CTR/TRR/TFR/TTR, जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, डीप स्क्रीनिंग, ट्रैक का डिस्ट्रेसिंग, और ट्रैक मेंटेनेंस मशीनों (जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन) के लिए प्री और पोस्ट काम शामिल हैं, साथ ही T-28 से TTR का काम भी शामिल है।"

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। **2.** हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे। **निविदा संख्या.: 49-2026-27-DEN-HQ-FZR दिनांक: 13.07.2026** **2391/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI
MECH. G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/84 OF 2026-27 DATED 13.07.2026

On behalf of the Lt. Governor, UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms with Chief Engineer Jal Shakti PHE (PHE) Department Jammu who have sufficient experience in the field of drilling and are well equipped with drilling Rigs suitable for ODEX method of drilling.

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee (In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Deep Drilling of 125 mm dia Bore Hole by using ODEX method including providing, installation, testing, commissioning of Mark-II Hand Pump and construction of platforms at Fandang Near Rashid Lohar Pyt. Gool Parthmulla Block Gool in District Ramban on Turnkey Basis (EPC) under District Capex Budget (2026-27)	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	500.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	01 No.	Rs. 3.74 lacs	@ 2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division. No exemption or relaxation whatsoever shall be admissible to MSME units or to any bidder on any other grounds.	31st March 2027

1. The complete bidding process shall be online.
2. Bid documents can be seen and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 13.07.2026 to 23.07.2026.
3. The pre bid meeting if desired by the participating firms shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 14.07.2026 (1300 hrs).
4. The bids shall be submitted/uploaded from the website http://jktenders.gov.in from 15.07.2026 (1400 hrs) to 23.07.2026 (1800 hrs).
5. The complete bidding process shall be online and scanned copies of the following documents will have to be uploaded before due date:-

i) Copy of treasury e-Challan/receipt for Rs. 500.00 against the cost of tender document under the receipt Head 0215 in favour of Executive Engineer, Jal Shakti (M) Ground Water Drilling Division Jammu indicating name of work to be executed. It may be noted that the receipt of the e-challan should be of the date after the issuance of publication of the e-tender.

ii) The tenders shall be accompanied with an earnest money of 2 % of estimated value in the shape of CDR/FDR, from a scheduled Bank payable in JAMMU. The CDR/FDR shall be pledged to Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu, valid for a period of 12 months from the last date of submission of bids. It may be noted that the EMD should be of the date after the issuance of publication of the e-tender. No exemption or relaxation whatsoever shall be admissible to MSME units or to any bidder on any other grounds. The earnest money deposit shall be refunded in favour of unsuccessful tenderer immediately after finalization of the tender, whereas it shall be retained in case of successful tenderer till signing of agreement and furnishing of performance security.

iii) Copies of tender documents, terms and conditions duly signed and stamped (each page) by bidder. During the technical evaluation, if any firm has not uploaded all the required documents i.e ITR/GST/documentary proof of ownership or on hire basis of requisite machinery/ Annual financial turnover, Registration Certificate 2026-27 etc. as mentioned in e-NIT, the bid shall be rejected without any intimation.

iv) Scanned copy of Experience certificate of having completed one similar work during last five financial years. The experience certificate shall have been issued by an officer of the rank not below an Executive Engineer of any Government Department/Semi Government/PSUs.

v) Scanned copy of Valid Registration of Water Well Drillers issued by Chief Engineer Jal Shakti (PHE) Department Jammu for the year 2026-27 shall be submitted by the firm.

vi) Scanned copy of the latest Income tax return certificate.

vii)Scanned copy GST return in FORMGST-3B of the latest quarter.

viii) Scanned copy of documentary proof of ownership or on hire basis of requisite machinery like Air compressor, ODEX Drilling Rig. In case of a firm having these machine/s arranged on hire basis the firm shall produce a copy of an agreement with the actual owner (Registered Drilling Firm) of the machine for lease of the machinery and expertise, duly attested by a Magistrate First class valid for a time period of not less than 06 months from the last date of submission of bids.

ix) Average Annual financial turnover during any three financial years out of the last 05 years, ending 31st March of previous financial year, issued by a registered Chartered Accountant under his seal and signature shall be Rs 25.00 lacs.

6. The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 24.07.2026 (1400 hrs). If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working day during the office hours.
7. The Financial Bids of the tender document of the qualified bidders shall be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working or as to be decided by tender opening committee.
8. Other details can be seen inside the detailed tender document.
9. Account Head: District Capex Budget (2026-27)
10. AAA order No. 101-DDCR of 2026 Dated 11.07.2026
11.Status of Funds: Approved
12. Technical Sanction No. GWD/DB/214 of 07/2026 Dated 13.07.2026

GWD/3226-28 DATED: 13.07.2026

DIP/J-5714/26
Dtd: 14-7-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. G.W.D. Division
Jammu

फिक्की फ्लो जेकेएल ने पोषण एवं स्वास्थ्य पर प्रेरक सत्र आयोजित किया

जम्मू, 14 जुलाई । फिक्की फ्लो जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख (जेकेएल) ने अपने सदस्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ शिखा अग्रवाल के साथ एक प्रेरक एवं संवादात्मक पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े व्यावहारिक और वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ एवं स्वास्थ्य सलाहकार शिखा अग्रवाल ने बताया कि दैनिक खान-पान की आदतों में छोटे-छोटे और सजग बदलाव अपनाकर समग्र स्वास्थ्य एवं बेहतर जीवनशैली हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे घर की रसोई ही बेहतर पोषण और रोगों की रोकथाम की सबसे बड़ी कुंजी है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए जटिल दिनचर्या की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि नियमित रूप से अपनाई गई सरल आदतें ही सबसे अधिक प्रभावी होती हैं।

इस अवसर पर फिक्की फ्लो जेकेएल की अध्यक्ष वर्षा बंसल ने मुख्य वक्ता और उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन महिलाओं के व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ उनके समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

सत्र में बड़ी संख्या में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने पोषण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ से प्रश्न पूछे, अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया तथा दैनिक जीवन में स्वस्थ विकल्प अपनाने के बारे में उपयोगी जानकारी हासिल की। सदस्यों ने शिखा अग्रवाल द्वारा दिए गए व्यावहारिक सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह संदेश प्रेरणादायक है कि नियमित रूप से अपनाई गई सबसे सरल आदतें भी व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और बेहतर जीवन प्रदान कर सकती हैं।

इस कार्यक्रम का सफल समन्वय और आयोजन फिक्की फ्लो जेकेएल की पूर्व अध्यक्ष रुचिका गुप्ता ने किया, जिनके प्रयासों से सभी प्रतिभागियों के लिए यह सत्र ज्ञानवर्धक और उपयोगी साबित हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारिणी समिति की सदस्य आरती चौधरी (तत्काल पूर्व अध्यक्ष), सोना मेहता (उपाध्यक्ष), दीप्ति गंडोत्रा (संयुक्त सचिव) तथा तनिषा पल्लन (संयुक्त कोषाध्यक्ष) भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस अवसर पर सदस्यों ने जानकारीपूर्ण एवं प्रेरणादायक सत्र के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस चर्चा ने उन्हें स्वस्थ, संतुलित और टिकाऊ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

संपादकीय

तूफान आने से पहले सतर्क रहें

जम्मू-कश्मीर मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर द्वारा आगामी सप्ताह के दौरान केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मौसम के बदलने, भारी वर्षा, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। ऐसे में जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए आवश्यक है कि वे पूरी सतर्कता बरतें और सभी एहतियाती उपाय अपनाएं।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 18 जुलाई से जम्मू-कश्मीर में वर्षा का एक बड़ा दौर शुरू होने की संभावना है। 20 जुलाई से इसके और अधिक तीव्र होने की आशंका है, जिसके दौरान कई क्षेत्रों में भारी बारिश तथा कुछ समय के लिए अत्यधिक तीव्र वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग ने विशेष रूप से चिनाब घाटी, पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला तथा कश्मीर संभाग के कुछ इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि भारी वर्षा के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन और मलबा गिरने जैसी घटनाएं हो सकती हैं।

यह सकारात्मक बात है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के कारण अब मौसम में होने वाले ऐसे बदलावों का पहले से अनुमान लगाया जा सकता है। इससे प्रशासन और आम जनता दोनों को समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय करने का अवसर मिल जाता है।

जब संबंधित सरकारी एजेंसी पहले ही खराब मौसम की चेतावनी जारी कर चुकी है, तो जोखिम उठाने के बजाय एहतियाती कदम उठाना ही समझदारी है। केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को पिछले वर्ष बादल फटने और भारी बारिश से हुई उन दुखद घटनाओं को याद रखना चाहिए, जिनके कारण कई स्थानों पर अचानक बाढ़, भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाएं हुई थीं तथा बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी और भारी संपत्ति का नुकसान हुआ था।

इसलिए आगामी वर्षा के दौरान सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी जाती है। उफनते नालों, नदियों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के आसपास जाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है। जिन लोगों के घर पहाड़ों या ढलानों के खतरनाक हिस्सों में बने हुए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए सुरक्षित स्थानों पर चले जाने पर विचार करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में मौसम की अनिश्चितता का इतिहास किसी से छिपा नहीं है और ऐसे में अपनी जान जोखिम में डालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

रिपोर्टों के अनुसार 21 जुलाई को इस वर्षा का सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिल सकता है। इसलिए इस चेतावनी को हल्के में लेने के बजाय इसे जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में गंभीरता से लेना चाहिए।

साथ ही सरकार को भी इस मौसम संबंधी चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक मजबूत बनाना चाहिए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दलों को पूरी तरह तैयार रखना चाहिए।

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

श्री पीयूष गोयल

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों,

व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230ब्न बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी।

किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है।

यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हैऔर यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार-अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी।

व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230ब्न बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी।

पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है,लगभग 99ब्न टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा।इसमें लगभग 100ब्न व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे।

युवा सोच, वैश्विक अवसर- यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है।

भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा।

रोज़गार के अवसर - युवाओं को रोज़गार के ज्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे।

कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके,सीईटीएभारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें।

सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीएके साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है।

कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय स्तर पर उगाएं, वैश्विक स्तर पर बेचें - भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा। इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूके के लगभग 95ब्न कृषि आयात भारत के लिए शुल्क- मुक्त होंगे। इस विशाल बाजार में निर्यात तीन वर्षों में 50ब्न तक बढ़ सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समझौते में डेयरी, सब्जियां, सेब, खाद्य तेल, जई (ओट्स), मोटे अनाज, कुकिंग ऑयल और अन्य जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी सुरक्षा दी गई है और इन्हें संवेदनशील सूची में रखा गया है। इन वस्तुओं पर ब्रिटेन को कोई सीमा-शुल्क छूट नहीं दी गई है। ये अपवाद मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाते हैं।

एसएमई -स्थानीय प्रयास, वैश्विक ताकत - पीएम मोदी ने हमेशा से भारत के लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को उच्च प्राथमिकता दी है। सीईटीएमें महत्वपूर्ण एसएमई क्षेत्र की मदद के लिए एक विशेष अध्याय है, 2024-25 में भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.8ब्नथी। सीईटीएकई प्रमुख प्रावधानों के साथ एसएमईकी मदद करेगा, जैसे तेज सीमा-शुल्क प्रक्रिया, डिजिटल प्रणालियों और दस्तावेज रहित व्यापार को मान्यता देने और सुविधाजनक बनाने के समझौते।

बाजार तक प्राथमिक पहुंच के अलावा,एसएमई को व्यापार, शिक्षा और वित्त, डिजिटल कौशल, व्यवसायिक अवसंरचना और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं पर बढ़ते सहयोग का भी लाभ मिलेगा।

मछुआरों के लिए बड़ी खुशी- सीईटीए से भारत के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को काफी फायदा मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 28 मिलियन लोगों की आजीविका का ज़रिया है।

बाज़ार तक बेहतर पहुँच और ज़्यादा निर्यात से आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र के मछुआरों को लाभ होगा। इससे न सिर्फ़ भारत के मत्स्य निर्यात को मज़बूती मिलेगी, बल्कि मछुआरों की भलाई और आजीविका में भी मदद मिलेगी और तटीय इलाकों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

महिलाओं के लिए बड़ी जीत - यह ऐतिहासिक समझौता, जो पारंपरिक एफटीए से कहीं अधिक है, सतत और समावेशी आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान को मान्यता देता है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए अवसर और लाभ को बढ़ावा देना है।

दोनों देशों ने महिलाओं की बाज़ार और उभरते क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने, वित्तीय समावेश और साक्षरता को बढ़ावा देने, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने, और उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने जैसी विभिन्न गतिविधियाँ का वादा किया है।

सीईटीए सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं में विश्वास का एक वक्तव्य है। यह एक नए भारत को प्रतिबिंबित करता है, जो सिर्फ वैश्विक व्यापार में भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि इसे आकार देने में भी मदद कर रहा है। हमारे किसानों, मछुआरों, कामगारों, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, पेशेवरों और युवाओं को सशक्त बनाकर, यह समझौता देश के प्रत्येक हिस्से में रह रहे हर भारतवासी को अवसर उपलब्ध कराएगा।

क्या प्रधानमंत्री मोदी की यात्राओं ने विदेश नीति को नई धार दी?

डॉ. अनिल कुमार निगम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की यात्राएं केवल औपचारिक राजनयिक कार्यक्रम नहीं बल्कि भारत की बदलती विदेश नीति की दिशा और प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत भी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। ऐसे समय में भारत का इस क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक देशों के साथ अपने संबंधों को नया आयाम देना स्वाभाविक रूप से अंतरराष्ट्रीय महत्व का विषय है।

इन यात्राओं के दौरान रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, महत्वपूर्ण खनिज, शिक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखला जैसे अनेक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। इससे यह संदेश गया कि भारत अब केवल दक्षिण एशिया तक सीमित शक्ति नहीं बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक जिम्मेदार और प्रभावशाली भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को विस्तार देना चाहता है। लेकिन इन यात्राओं के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठता है। क्या केवल दूरवर्ती देशों के साथ संबंध मजबूत करने से भारत की विदेश नीति सफल मानी जाएगी, जबकि उसके पड़ोस में चीन, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसी जटिल चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं? यही प्रश्न भारत की वर्तमान विदेश नीति के वास्तविक मूल्यांकन का आधार बनता है।

भारत की विदेश नीति आज रणनीतिक स्वायत्तता (Strategic Autonomy) के सिद्धांत पर आधारित है। शीतयुद्ध के दौर की गुटनिरपेक्षता अब एक नए स्वरूप में विकसित हो चुकी है। भारत, अमेरिका के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग बढ़ाता है, रूस से रक्षा संबंध बनाए रखता है, फ्रांस और जापान के साथ सामरिक साझेदारी करता है तथा वैश्विक दक्षिण के देशों की आवाज़ भी बनता है। यही संतुलन उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति है।

इंडोनेशिया की यात्रा इस दृष्टि से विशेष महत्व रखती है क्योंकि यह देश मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है। विश्व के बड़े हिस्से का समुद्री व्यापार इसी मार्ग से होकर गुजरता है। भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री व्यापार की दृष्टि से इंडोनेशिया अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है। समुद्री सुरक्षा और ब्लू इकोनॉमी पर बढ़ता सहयोग भारत की सागर नीति को मजबूती देता है।

ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व रूप से मजबूत हुए हैं। दोनों देश क्वाड (Quad) के सदस्य हैं और मुक्त तथा नियम-आधारित हिंद-प्रशांत व्यवस्था के समर्थक हैं। महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता, रक्षा सहयोग, साइबर सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया भारत के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। यह सहयोग केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि भारत की औद्योगिक और तकनीकी आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है।

न्यूज़ीलैंड की यात्रा प्रतीकात्मक से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रही। लंबे समय बाद दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय राजनीतिक संवाद ने शिक्षा, कृषि, डेयरी, पर्यटन और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग की नई संभावनाएं खोली हैं। वहां का भारतीय मूल का समुदाय भी दोनों देशों के संबंधों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नि:संदेह, इन तीनों यात्राओं ने भारत की वैश्विक कूटनीतिक उपस्थिति को मजबूत किया है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह संदेश गया कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, नियम-आधारित व्यवस्था और बहुपक्षीय सहयोग का समर्थक है। लेकिन भारत की सबसे बड़ी चुनौती उसका अपना पड़ोस है। पाकिस्तान के साथ सीमा पार आतंकवाद, चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव, नेपाल के साथ समय-समय पर उत्पन्न होने वाले राजनीतिक मतभेद तथा बांग्लादेश के साथ सीमा प्रबंधन, अवैध घुसपैठ और जल बंटवारे जैसे मुद्दे आज भी भारत की विदेश नीति की वास्तविक परीक्षा लेते हैं। किसी भी उभरती वैश्विक शक्ति के लिए आवश्यक है कि वह विश्व के प्रमुख देशों के साथ संबंध मजबूत करे। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि यदि पड़ोस अस्थिर रहेगा तो वैश्विक प्रभाव भी सीमित हो सकता है। विदेश नीति का पहला दायित्व अपने सामरिक परिवेश को सुरक्षित और स्थिर बनाना होता है। यहीं पर भारत की विदेश नीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिखाई देती है। भारत ने पड़ोसी प्रथम की नीति अवश्य अपनाई है लेकिन इसका प्रभाव सभी पड़ोसी देशों में समान रूप से दिखाई नहीं देता। चीन की बढ़ती आर्थिक और सामरिक सक्रियता दक्षिण एशिया में भारत के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थिति उत्पन्न करती है। नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों में भी चीन का निवेश लगातार बढ़ा है। इसलिए केवल वैश्विक साझेदारियां पर्याप्त नहीं होंगी बल्कि पड़ोसी देशों के साथ विश्वास और सहयोग को भी उतनी ही प्राथमिकता देनी होगी। हालाँकि यह कहना भी उचित नहीं होगा कि दूरवर्ती देशों के साथ भारत की सक्रियता पड़ोस की उपेक्षा का संकेत है। वास्तव में आधुनिक विदेश नीति बहुआयामी होती है। एक ओर पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना आवश्यक है, वहीं वैश्विक शक्तियों और रणनीतिक साझेदारों के साथ सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत आज इसी संतुलन को साधने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की इन यात्राओं का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत अब केवल प्रतिक्रियात्मक (Reactive) विदेश नीति नहीं अपना रहा बल्कि सक्रिय (Proactive) कूटनीति के माध्यम से अपने हितों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ा रहा है। रक्षा सहयोग, आर्थिक साझेदारी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में नई पहल भविष्य में भारत की रणनीतिक क्षमता को और मजबूत कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड यात्राएं भारत की विदेश नीति को नई ऊर्जा देने वाली महत्वपूर्ण पहल हैं। इन्होंने भारत की कूटनीतिक पहुंच, रणनीतिक विश्वसनीयता और वैश्विक साझेदारी को मजबूत किया है। किंतु भारत की विदेश नीति की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब वह दूर के मित्रों के साथ बढ़ते संबंधों के साथ-साथ अपने पड़ोस को भी शांत, स्थिर और सहयोगपूर्ण बनाने में समान रूप से सफल होगी।

साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) पर विशेष

- योगेश कुमार गोयल

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है।

दरअसल, पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निर्माताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है।

वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों के समाधान की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में योगदान बढ़ा सकें। दरअसल, युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने के लिए 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सबकुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ओपन बिहार कप कराटे चैंपियनशिप में दरभंगा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, आठ पदक जीते

एजेंसी

दरभंगा। पटना में स्टेट कराटे एसोसिएशन ऑफ बिहार के तत्वावधान में आयोजित ओपन बिहार कप कराटे चैंपियनशिप 2026 में दरभंगा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में बिहार भर से 345 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दरभंगा के प्रेयांश, मोहित कुमार और असफंद अहमर ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। वहीं निशांत चौधरी ने रजत पदक हासिल किया। साचिका समदर्शी, तनु प्रिया, जयदीप समदर्शी एवं अंश साह ने कांस्य पदक जीतकर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कराटे एसोसिएशन ऑफ दरभंगा के अध्यक्ष राजीव रंजन एवं महासचिव मुकेश मिश्रा ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को निखारने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने सफल आयोजन के लिए स्टेट कराटे एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव पंकज कांबली के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

इंटर स्कूल शतरंज प्रतियोगिता : अंडर-14 बालक वर्ग में अलख और बालिका वर्ग में निधि सैनी चैम्पियन

मुरादाबाद। विल्सोनिया कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय शिरीन संतराम मेमोरियल इंटर स्कूल शतरंज प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया गया। आखिरी दिन छात्र-छात्राओं ने शेष दो राउंड खेलकर रणनीति और सूझबूझ का प्रदर्शन किया। जिसमें अंडर-14 बालक वर्ग में स्प्रिंग फील्ड स्कूल के अलख और अंडर-14 बालिका वर्ग में विल्सोनिया कॉलेज की निधि सैनी विजेता रहीं। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक डॉ. आशीष संतराम और सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि शतरंज केवल खेल नहीं, बल्कि एकाग्रता, तार्किक सोच और निर्णय क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। अंडर-14 बालक वर्ग में स्प्रिंग फील्ड स्कूल के अलख ने पहला, सूर्य आदित्य ने दूसरा, जीएनपीएस के उत्कर्ष प्रकाश ने तीसरा और सेंट मिराज के शौर्य वीर सिंह ने चौथा स्थान हासिल किया।

अंडर-14 बालिका वर्ग में विल्सोनिया कॉलेज की निधि सैनी विजेता रहीं। अदम्य शर्मा दूसरे, जीएनपीएस की ईशल नदीम तीसरे और सेंट पॉल स्कूल की निमिषा सिंह चौथे स्थान पर रहीं। वहीं अंडर-18 बालक वर्ग में जीएनपीएस के ऋशांत अरोरा ने खिताब अपने नाम किया। जीएनपीएस के सक्षम दूसरे, स्प्रिंग फील्ड सीबीएसई के प्रियांक शर्मा तीसरे और टाइनी टॉट्स के प्रणव जैन चौथे स्थान पर रहे। इसके अलावा अंडर-18 बालिका वर्ग में जीएनपीएस की शुभी अग्रवाल ने पहला स्थान हासिल किया।

भारतीय महिला टीम ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर रचा इतिहास इतिहास

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। चौथे और अंतिम दिन भारत को जीत के लिए केवल चार विकेट की जरूरत थी, जिन्हें उसने महज डेढ़ घंटे के भीतर हासिल कर लिया। 457 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम तीसरे दिन ही 59/5 के स्कोर पर लड़खड़ा गई थी और दिन का खेल खत्म होने पर केवल 130 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। चौथे दिन उसने 130/6 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन केवल 56 रन और जोड़कर 176 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई और स्पिनरों के साथ करीबी फील्डर लगाकर इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। एमी जोन्स ने संघर्ष करते हुए 54 रन बनाए, जबकि सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास साथ नहीं मिला।

पंजाब एफसी ने पावलोस डर्मिट्जाकिस को दो साल के लिए बनाया नया मुख्य कोच

मोहाली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए क्लब पंजाब एफसी ने 2026-27 सत्र से पहले ग्रीस के अनुभवी फुटबॉल कोच पावलोस डर्मिट्जाकिस को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। 57 वर्षीय डर्मिट्जाकिस ने ग्रीक सुपर लीग-2 क्लब पानियोनियोस एफसी से दो साल के अनुबंध पर पंजाब एफसी का दामन थामा है। समयऔर कैलेंडर डर्मिट्जाकिस के पास ग्रीस के फुटबॉल ढांचे में दो दशक से अधिक का कोचिंग अनुभव है।

उन्होंने अपने कोचिंग करियर की शुरुआत 2002-03 में एरगोटेलिस क्लब से की थी। इसके बाद उन्होंने अत्सालेनियोस क्लब को तीसरे डिवीजन में पहुंचाया और लगातार चार सीजन तक टीम का मार्गदर्शन किया। इस दौरान उनकी टीम ने 2005-06 और 2006-07 सीजन में घरेलू मैदान पर एक भी मुकाबला नहीं गंवाया। इसके बाद उन्होंने जीएस डायगोरास 1905 को ग्रीक फुटबॉल के दूसरे डिवीजन में पहुंचाया। वह ग्रीक सुपर लीग के क्लब पंथ्राकिकोस, पीएओके, एस्टेरास त्रिपोलिस और ओएफआई क्रीट के भी मुख्य कोच रह चुके हैं। 2020-21 और 2021-22 सीजन में उन्होंने वेरिया 1960 क्लब को लगातार दो बार नॉर्थ ग्रुप का चैंपियन बनाया। वहीं 2022 में पानसेराइकोस एफसी की कमान संभालते हुए उन्होंने क्लब को 12 साल बाद दोबारा ग्रीक सुपर लीग में पहुंचाने का कारनामा किया।

असम को अपने क्रिकेट मंच का लंबे समय से था इंतजार : एसीए अध्यक्ष तरंग गोगोई

एजेंसी

गुवाहाटी। असम प्रीमियर लीग (एपीएल) के पहले संस्करण के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 19 जुलाई को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम स्थित 91 यार्ड्स क्लब में आयोजित होगी। इस नीलामी में राज्यभर के 275 क्रिकेटरों पर आठ फ्रेंचाइजियां बोली लगाकर अपनी टीमों का गठन करेंगी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के अध्यक्ष तरंग गोगोई ने कहा कि 19 जुलाई की नीलामी के साथ यह लीग वास्तव में खिलाड़ियों की लीग बन जाएगी। उन्होंने कहा कि असम के हर जिले से खिलाड़ियों ने अपना नाम दर्ज कराया है और जल्द ही उन्हें पता चल जाएगा कि वे किस फ्रेंचाइज़ी का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि 1 अगस्त से

शुरू होने वाली लीग को राज्य का हर क्रिकेट प्रेमी अपनी लीग मानेगा। गोगोई ने कहा कि असम लंबे समय से अपने क्रिकेट मंच का इंतजार कर रहा था और एसीए पहले सत्र को यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मार्की खिलाड़ियों की सूची में डेनिश दास, शिवशंकर रॉय, सुमित कश्यप, स्वरूपम पुरकायस्थ, जितुमनी कलिता, मृण्मय दत्ता, मुक्तार हुसैन, अविनव चौधरी, राहुल सिंह, सदाक हुसैन, भार्गव प्रतिम लहकर, साहिल जैन, प्रद्युन सैकिया, सौरव मौसुम दिहिंगिया, अब्दुल अजीज कुरैशी, आकाश सेनगुप्ता, आयुष्मान मालाकर, सुमित घाडीगांवकर, रोहित सेन और रुहिनंदन पेगु शामिल हैं।

ये सभी खिलाड़ी असम की ओर से बीसीसीआई टूर्नामेंट खेल चुके हैं और उद्घाटन सत्र के लिए टीमों के गठन में इन पर सबसे अधिक बोली लगने की उम्मीद है। असम प्रीमियर लीग का पहला संस्करण 1 अगस्त से शुरू होगा।

एसीए की जूनियर चयन समिति के सदस्य बने अमर काला

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने वर्ष 2026-27 सत्र के लिए जूनियर चयन समिति में क्रिकेटर अमर काला को सदस्य नामित किया है। उनकी नियुक्ति को एसीए के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे जूनियर क्रिकेट प्रतिभाओं के चयन और विकास को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।अमर काला को यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से सौंपी गई है। वह जूनियर चयन समिति में अपनी भूमिका निभाते हुए युवा खिलाड़ियों के चयन और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में योगदान देंगे। एसीए के संयुक्त संयोजक (लीग एवं मंडल) का दायित्व संभाल रहे एलबी काला की प्रशासनिक व्यस्तताओं को देखते हुए यह परिवर्तन किया गया है।

इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आरपी भटनागर ने अमर काला की नियुक्ति की पुष्टि करते हुए बताया कि यह निर्णय 2026-27 सत्र के लिए तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारत को झटका, पैरा तैराक तेजस नंदकुमार हुए बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से पहले भारतीय दल को बड़ा झटका लगा है। भारतीय पैरा तैराक तेजस नंदकुमार अब इस बहु-खेल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। आयोजकों ने वर्गीकरण (क्लासिफिकेशन) संबंधी नियमों का हवाला देते हुए उन्हें प्रतियोगिता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। 20 वर्षीय तेजस नंदकुमार का नाम पिछले सप्ताह भारत के आधिकारिक दल में शामिल था। उन्हें ग्लासगो में पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल स7 स्पर्धा में भाग लेना था और शुरुआत में आयोजकों ने उनकी एंट्री स्वीकार भी कर ली थी। हालांकि, 9 जुलाई को ग्लासगो 2026 आयोजन समिति ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को भेजे पत्र में बताया कि अंतरराष्ट्रीय महासंघ द्वारा 23 जून के बाद किए गए वैलिडेशन के दौरान तेजस को प्रतियोगिता के लिए अयोग्य पाया गया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन आयोजकों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने के लिए पैरा तैराकों के पास कन्फर्म स्पोर्ट क्लास या 2027 या उसके बाद की समीक्षा तिथि वाला क्लासिफिकेशन होना जरूरी था। तेजस का क्लास स्टेटस आर-2025 होने के कारण वह पात्रता मानकों को पूरा नहीं कर सके। तेजस नंदकुमार इससे पहले 2023 पैरा एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनके पैरों में जन्मजात समस्या है, जिसके कारण उन्हें एस7 श्रेणी में रखा गया था। इस श्रेणी में ऐसे खिलाड़ी शामिल होते हैं जिनके हाथ और धड़ सामान्य रूप से काम करते हैं, लेकिन पैरों की कार्यक्षमता सीमित होती है। पैरा खेलों में क्लासिफिकेशन यह

तय करता है कि खिलाड़ी किस वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेगा, ताकि सभी प्रतिभागियों के बीच निष्पक्ष मुकाबला सुनिश्चित किया जा सके। यह प्रक्रिया मेडिकल और तकनीकी विशेषज्ञों की समिति द्वारा की जाती है और समय-समय पर खिलाड़ियों की दोबारा समीक्षा भी होती रहती है। आयोजकों के इस फैसले के बाद तेजस नंदकुमार भारतीय दल का हिस्सा होने के बावजूद ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

ओरिएंटल कप 2026: मॉडर्न स्कूल की 6-0 से शानदार जीत, बालिका वर्ग के सेमीफाइन लिस्ट हुए तय

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताहांत के दो दिवसीय विश्राम के बाद ओरिएंटल कप 2026 का रोमांच एक बार फिर डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में शुरू हुआ। खिली धूप और साफ मौसम के बीच खिलाड़ियों को बेहतरीन खेल परिस्थितियां मिलीं, जिसका असर पूरे दिन खेले गए मुकाबलों में देखने को मिला। टूर्नामेंट के पांचवें दिन बालिका वर्ग के क्वार्टरफाइनल मुकाबले आकर्षण का केंद्र रहे, जिनमें वसंत वैली स्कूल, मॉडर्न स्कूल, स्टेप बाय स्टेप स्कूल (नोएडा) और भारती पब्लिक स्कूल ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं बालक वर्ग का एकमात्र मुकाबला जीतकर वसंत वैली स्कूल ने अंतिम क्वार्टरफाइनल स्थान हासिल किया। दिन के पहले मुकाबले में बालिका वर्ग में वसंत वैली स्कूल ने केंद्रीय विद्यालय, आर.के. पुरम को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों ने पूरे मैच के दौरान कई आक्रामक प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सका। इसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ,

जिसमें वसंत वैली स्कूल ने संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की और क्वार्टरफाइनल की अंतिम जगह अपने नाम की। बालिका वर्ग के पहले क्वार्टरफाइनल में वसंत वैली स्कूल ने गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एनआईटी फरीदाबाद को 1-0 से हराया। तन्वी गोगोई ने 30वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल किया, जो टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।इसी तरह मॉडर्न स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफायर इंटरनेशनल स्कूल को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ध्वनि बिदादा ने शानदार हैट्रिक लगाते हुए 11वें, 22वें और 32वें मिनट में गोल किए। वहीं आराध्या शेरावत ने 13वें और 24वें मिनट में दो गोल दागे, जबकि कीर्ति पांचाल ने तीसरे मिनट में ही टीम का खाता खोल दिया।

फीफा विश्व कप प्रीव्यू: फुटबॉल जगत के सबसे चर्चित प्रतिद्वंदी इंग्लैंड और अर्जेंटीना दूसरे सेमीफाइनल में लिखेंगे नया अध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। अटलांटा में बुधवार (भारतीय समयानुसार 16 जुलाई, गुरुवार रात 12:30 बजे, यानी 15 जुलाई की देर रात) फीफा विश्व कप का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा, जिसमें इंग्लैंड और अर्जेंटीना आमने-सामने होंगे। दोनों टीमों की नजर फाइनल में जगह बनाने पर होगी, जबकि फुटबॉल जगत की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक का नया अध्याय भी लिखा जाएगा। यह मुकाबला केवल मौजूदा विश्व कप की लड़ाई नहीं, बल्कि दशकों पुरानी ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता का भी हिस्सा है। 1966 विश्व कप में एंटोनियो रैटिन के विवादित रेड कार्ड से लेकर 1986 में डिएगो माराडोना के 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी', फिर 1998 में डेविड बेकहम के रेड कार्ड और 2002 में उनकी पेनल्टी से मिली जीत तक, दोनों देशों के बीच हर मुकाबला यादगार रहा है। इस बार मुकाबले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि लियोनेल मेसी अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार

इंग्लैंड के खिलाफ आधिकारिक सीनियर मैच खेलेंगे। 39 वर्षीय मेसी इस विश्व कप में आठ गोल कर चुके हैं और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मिस्र और स्विट्जरलैंड के खिलाफ कठिन मुकाबलों में भी अर्जेंटीना ने जीत का रास्ता खोज लिया।हालांकि अब अर्जेंटीना केवल मेसी पर निर्भर नहीं है। जूलियन अल्वारेज़ ने पिछले दो नॉकआउट मुकाबलों में लाउटारो मार्टिनेज की जगह खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर इंग्लैंड की उम्मीदें कप्तान हैरी केन और जूड बेलिंघम पर टिकी होंगी। दोनों खिलाड़ियों ने मिलकर इस विश्व कप में 12 गोल किए हैं और टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई है।

मिडफील्ड की जंग इस मुकाबले का सबसे अहम पहलू मानी जा रही है। इंग्लैंड के डेक्लान राइस और इलियट एंडरसन की कोशिश होगी कि मेसी को खुलकर खेलने का मौका न मिले, जबकि अर्जेंटीना के एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंजो फर्नांडेज़ इंग्लैंड के खेल की रफ्तार तोड़ने की कोशिश करेंगे। वहीं हैरी केन, बुकायो साका और एंथनी गॉर्डन अर्जेंटीना की रक्षा पंक्ति के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला केवल फाइनल का टिकट नहीं, बल्कि विश्व फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विताओं में एक नया अध्याय जोड़ने वाला मैच भी होगा।

30 वीं सब जूनियर राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप में 30 खिलाड़ियों का प्रशिक्षण के लिए चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। 30 वीं सब जूनियर राज्य बालक एवं बालिका बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए आरएसडी एकेडमी में आयोजित ट्रायल में जिले के कई विद्यालयों के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। ट्रायल में 15 बालक और 15 बालिकाओं समेत 30 खिलाड़ियों का चयन 20 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए किया गया।

जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के संयुक्त सचिव मोहित चौधरी ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर बुधवार से शुरू होकर 20 दिन तक चलेगा। इस शिविर में प्रदर्शन के आधार पर बालक एवं बालिका टीम का चयन किया जाएगा। चयनित टीम चार से नौ अगस्त तक मेरठ में होने वाली प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। ट्रायल के दौरान आरएसडी एकेडमी के चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार, डायरेक्टर डॉ. जी कुमार, जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव संजीव भारद्वाज, संयुक्त सचिव फिरोज खान आदि मौजूद रहे।

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सीरीज की बराबर

एजेंसी

गयाना। स्पिनर जेडेन लेनॉक्स के करियर के पहले पांच विकेट और न्यूजीलैंड के स्पिन आक्रमण के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। प्रोविडेंस स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार खेले गए मुकाबले में लेनॉक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रैसवेल ने दो-दो विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। जॉन कैंपबेल (43) और अकीम ऑगस्टे (18) ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ऑगस्टे के आउट होने के बाद कैंपबेल भी सैंटनर का शिकार बने। इसके बाद

लेनॉक्स ने कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड को लगातार झटके देकर वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाल दिया। कीसी कार्टी, गुडाकेश मोती, मैथ्यू फोर्ड, आमिर जंगू, विटेल लॉज और अन्य बल्लेबाज भी स्पिनरों के सामने टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए और पूरी वेस्टइंडीज टीम 36 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को भी शुरुआती झटके लगे। विल यंग (28) अच्छी शुरुआत के बाद आउट हुए, जबकि मार्क चैपमैन रन आउट हो गए। हेनरी निकोल्स भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद डेरिल मिचेल (28) और टॉम लैथम ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए अहम साझेदारी की। हालांकि मिचेल और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के विकेट गिरने से एक समय मुकाबला थोड़ा रोचक हुआ, लेकिन टॉम लैथम (नाबाद 37) और माइकल ब्रैसवेल ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को 32.4 ओवर में 141/5 तक पहुंचाकर जीत दिला दी। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। अब सीरीज का फैसला तीसरे और अंतिम मुकाबले में होगा।

संक्षिप्त स्कोर:

वेस्टइंडीजः 138 ऑलआउट (36 ओवर) - जॉन कैंपबेल 43, आमिर जंगू 24; जेडेन लेनॉक्स 5/19, मिचेल सैंटनर 2/21।

न्यूजीलैंडः 141/5 (32.4 ओवर) - टॉम लैथम नाबाद 37, विल यंग 28, डेरिल मिचेल 28; खारी पियरे 2/33।

परिणामः न्यूजीलैंड 5 विकेट से विजयी, सीरीज 1-1 से बराबर।

फीफा विश्व कप 2026: स्पेन के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले एमबाप्पे ने नहीं किया अभ्यास

एजेंसी

डलास। फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले टीम के अंतिम अभ्यास सत्र में पूरा हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, टीम प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि उनकी मामूली टखने की चोट गंभीर नहीं है और वह स्पेन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे। एमबाप्पे को पिछले सप्ताह मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान टखने में हल्की चोट लगी थी। फ्रांस ने वह मैच 2-0 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। मुकाबले के अंतिम चरण में एहतियातन उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया था। सेमीफाइनल से पहले आयोजित अभ्यास सत्र में एमबाप्पे ने सीमित समय तक ही हिस्सा लिया। फ्रांस के मुख्य कोच दिदिएर देशां ने उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की चिंता से इनकार किया। देशां ने कहा, किलियन पूरी तरह ठीक हैं। उन्होंने अभ्यास किया है। हमने केवल उनकी ट्रेनिंग का समय थोड़ा कम रखा। जहां बाकी खिलाड़ी एक ड्रिल में 15 मिनट रहे, वहीं एमबाप्पे ने 10 मिनट तक हिस्सा लिया।

विश्व कप में शानदार फॉर्म में चल रहे एमबाप्पे फ्रांस के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए हैं। ऐसे में स्पेन के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में उनकी मौजूदगी फ्रांस

के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। फ्रांस और स्पेन के बीच यह बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल मंगलवार को खेला जाएगा, जिसमें विजेता टीम विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश करेगी।

ब्रास सिटी यूथ क्रिकेट टूर्नामेंट : न्यू मुरादाबाद क्रिकेट एकेडमी 5 विकेट से जीती

एजेंसी

मुरादाबाद। ब्रास सिटी यूथ क्रिकेट टूर्नामेंट में रेलवे स्टेडियम के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में न्यू मुरादाबाद क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीएच क्रिकेट एकेडमी को पांच विकेट से हरा दिया। कप्तान सियाज अहमद के नाबाद 72 की पारी जीत की मुख्य आधार रही। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि आज टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीएच क्रिकेट एकेडमी की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज नितिन और प्रिंस छह-छह रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान साहिब पाशा ने 26 गेंदों में 21 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, जबकि अमान ने 63 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए। पूरी टीम 28.2 ओवर में 110 रन पर सिमट गई। न्यू मुरादाबाद क्रिकेट एकेडमी की ओर से शाकिब ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए छह ओवर में दो मेडन के साथ मात्र 16 रन देकर 4 विकेट चटकाए। अतीफ खान, अंकित कुमार और अम्मार को दो-दो विकेट मिले। 111 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू मुरादाबाद क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 12 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

आईसीसी ने अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए पुनर्गठित किया टास्कफोर्स

एजेंसी

एडिनबर्ग। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी वार्षिक बैठक में अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए चल रहे डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही आईसीसी ने विशेष टास्कफोर्स का पुनर्गठन करते हुए उसे वर्ष 2030 तक अफगान शरणार्थी महिला टीम को आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। आईसीसी बोर्ड ने अपनी स्वतंत्र निदेशक डॉ. रोज रिवाज और आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी की सदस्य सारा कीन को भी इस विशेष टास्कफोर्स में शामिल किया है। वे बीसीसीआई, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की निगरानी करेंगी। डॉ. रोज रिवाज ने आईसीसी के हवाले से कहा कि यह पहल अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए सुनियोजित कोचिंग, प्रतिस्पर्धी मैचों और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का मजबूत ढांचा तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आईसीसी

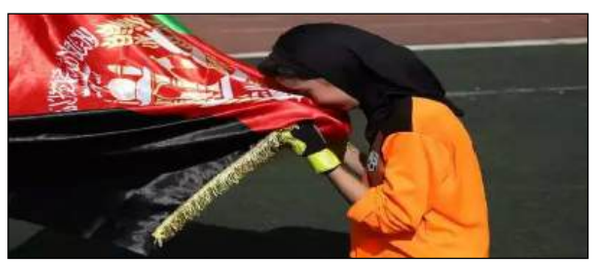

क्रिकेट के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को आगे बढ़ा रहा है।अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटर नाहिदा सपन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें सिर्फ क्रिकेट खेलने का मौका ही नहीं दिया, बल्कि एक टीम के रूप में साथ आने का अवसर भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि आईसीसी के दीर्घकालिक समर्थन से उन्हें अन्य देशों की खिलाड़ियों के समान अवसर मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है। खिलाड़ी फिरोजा अफगान ने कहा कि पिछले एक वर्ष में भारत और इंग्लैंड के दौरे उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने-अपने देशों में बेहतर कोचों के साथ प्रशिक्षण और 2030 तक आईसीसी क्वालिफिकेशन में खेलने का लक्ष्य उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।ऑस्ट्रेलिया की पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और ईट्स गेम ऑन की सह-संस्थापक मेल जोन्स ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम इन खिलाड़ियों के भविष्य के लिए बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इन महिला क्रिकेटरों ने पिछले एक वर्ष में शानदार प्रगति की है और वे दुनिया भर की महिलाओं और लड़कियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं।आईसीसी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को उनके निवास स्थान पर क्रिकेट कोच, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपी और नियमित प्रशिक्षण की सुविधा मिलती रहेगी। साथ ही चरणबद्ध तरीके से उनके लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों और सामूहिक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। भारत और इंग्लैंड की तरह भविष्य में भी टीम को एक साथ प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलने के अवसर दिए जाएंगे, ताकि 2030 तक आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ लॉन्च, 21 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग छुट्टियांव मौसमी आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने 9,812.91 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एमुंडी इंडिया का ज्वायंट वेंचर है। कंपनी के इस आईपीओ में 16 जुलाई तक बोली लगा सकते है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 12:30 बजे तक ये आईपीओ 22 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 545 रुपये से लेकर 574 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 26 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर कम से कम 1 लॉट यानी 26 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,924 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,012 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 338 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट और एसबीआई के एंप्लॉयीज को हर शेयर 54 रुपये के डिस्काउंट पर मिलेगा। हालांकि एसबीआई के मौजूदा शेयरहोल्डर्स के लिए ऐसी कोई छूट नहीं दी गई है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के के भाव में आज शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

सात कंपनियां इस सप्ताह अपने निवेशकों को करेंगी मालामाल, डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लिस्टेड सात बड़ी कंपनियां इस सप्ताह 14 से 17 जुलाई के बीच अपने निवेशकों को जबरदस्त डिविडेंड देने वाली हैं। इन कंपनियों में श्री सीमेंट, फाइजर, एमआरएफ, कमिन्स इंडिया और टीसीएस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। डिविडेंड की रकम के हिसाब से देखा जाए, तो एमआरएफ सबसे अधिक 229 रुपये का डिविडेंड देने वाली है, जबकि टीसीएस ने सबसे कम 12 रुपये के इंटिरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। इन सात कंपनियों में से यूटीआई एएमसी 40 रुपये का डिविडेंड देने वाली है।

इसके लिए रिकॉर्ड डेट कल यानी 14 जुलाई का है। इसी तरह टीसीएस ने अपने 12 रुपये के इंटिरिम डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 15 जुलाई तय किया है। इसके अलावा पांच कंपनियों ने अपने डिविडेंड के लिए 17 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है। जिन पांच कंपनियों ने डिविडेंड के लिए 17 जुलाई रिकॉर्ड डेट तय किया है, उनमें कमिन्स इंडिया ने 46 रुपये के डिविडेंड का ऐलान किया है, जबकि श्री सीमेंट 70 रुपये का डिविडेंड देने जा रही है। इसी तरह फाइजर ने अपने निवेशकों को 75 रुपये के डिविडेंड देने का ऐलान किया है। वहीं हनीवेल ऑटोमेशन इंडिया अपने निवेशकों को 110 रुपये डिविडेंड के रूप में देगी।

पिच के बाद अब बिजनेस पार्टनर बने युजवेंद्र चहल और इशांत शर्मा, गुरुग्राम में लॉन्च किया अपना एनर्जी ड्रिंक

गुरुग्राम। क्रिकेट मैदान के साथी रहे भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और इशांत शर्मा अब बिजनेस पार्टनर बन गए हैं। उन्होंने मिलकर अपना एनर्जी ड्रिंक ब्रांड एक्वॉन लॉन्च किया है। गुरुग्राम के सेक्टर-43 में यह लॉन्चिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में खेल प्रेमी पहुंचे।यूजी के नाम से फेमस युजवेंद्र चहल हरियाणा के जींद जिले के रहने वाले हैं। दोनों खिलाड़ी भारतीय टीम और आईपीएल में करीब सात साल साथ खेले हैं। इस साल चहल पंजाब किंग्स और इशांत दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे। इवेंट में चहल ने बताया कि एक्वॉन को किसी खास वर्ग या उम्र तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे समाज के हर वर्ग और हर उम्र के लोग बेझिझक पी सकते हैं शुगर कंट्रोल्ड और प्रोडक्ट-फर्स्ट फोकस चहल ने कहा कि मार्केट में मौजूद अधिकांश एनर्जी ड्रिंक में शुगर बहुत ज्यादा होती है। एक्वॉन में शुगर का स्तर बहुत नियंत्रित और सटीक रखा गया है। इसमें सिर्फ उतनी ही शुगर डाली गई है जो एक सामान्य और फिट शरीर के लिए जरूरी है। इशांत शर्मा ने अपने प्रोडक्ट-फर्स्ट दर्शन को सांझा किया। उन्होंने कहा, अब तक हमने टैगलाइन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया है।

भारत-यूके एफटीए ब्रिटिश सामानों को सस्ता बनाएगा और घरेलू निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से प्रभावी हो जाएगा। इससे एक तरफ देश के घरेलू निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, दूसरी तरफ भारतीय सामानों को यूके का बाजार मिलेगा। इस समझौते के तहत, स्कॉच व्हिस्की, जिन, चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स जैसे कई ब्रिटिश उत्पादों पर टैरिफ 15 जुलाई से कम होने लगेंगे। हालांकि, कुछ चीजों पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू की जाएगी। वहीं, भारतीय निर्यातकों को लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जिसमें यूके को होने वाले देश के निर्यात की लगभग पूरी वैल्यू शामिल है। टेक्सटाइल, लेदर, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, खेल का सामान और खिलौने जैसे ज्यादा लेबर वाले सेक्टर को इससे सबसे अधिक फायदा होने की उम्मीद है। इसी तरह, इंजीनियरिंग का सामान, ऑटो पार्ट्स और ऑर्गेनिक

केमिकल को भी बेहतर मार्केट एक्सेस से फायदा होगा। ये नियम सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने जारी किए थे। इनमें यह तय करने का तरीका बताया गया है कि क्या सामान समझौते के तहत खास टैरिफ सुविधा के लिए योग्य है या नहीं, और साथ ही निर्यातकों और आयतकों के लिए जरूरी नियमों की जानकारी भी दी गई है। हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि सीईटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और इनोवेशन में सहयोग बढ़ेगा और साथ ही व्यापार और पेशेवरों के लिए नए मौके बनेंगे।

उन्होंने भारतीय कंपनियों से कहा कि वे यूके की कंपनियों के साथ अपने संबंध मजबूत करें और इस समझौते को लगातार बिजनेस ग्रोथ में बदलें।

इससे पहले जून में, केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि यह अहम समझौता भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और छोटे बिजनेस को ग्लोबल स्तर पर आगे बढ़ने और नौकरियां पैदा करने में मदद करेगा, साथ ही आम लोगों को अच्छी क्वालिटी का सामान सही कीमत पर मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि यूके के प्रीमियम मार्केट तक पहुंचने से महिला उद्यमियों, युवाओं, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए आकर्षक ग्लोबल मौके बनेंगे, और साथ ही भारत के मुख्य हितों से समझौता किए बिना कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया जा सकेगा। 14 दौर की बातचीत के बाद 24 जुलाई, 2025 को साइन किए गए सीईटीए में 30 चैप्टर हैं, जिनमें सामान, सर्विस, डिजिटल व्यापार, फाइनेंशियल सर्विस, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और सरकारी खरीद शामिल हैं।

सेबी ने कर्मचारियों के लिए सख्त किए नियम, शेयर बाजार में निवेश और नौकरी बदलने पर बढ़ी निगरानी

एजेंसी

नई दिल्ली। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) ने अपने कर्मचारियों के लिए सेवा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए आचार संहिता को और सख्त बना दिया है। नए नियमों के तहत हितों के टकराव को रोकने, निवेश पर निगरानी बढ़ाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान लागू किए गए हैं। सेबी ने एसईबीआई (कर्मचारी सेवा) (संशोधन) विनियम, 2026 को अधिसूचित करते हुए कर्मचारियों के निवेश, खुलासे और नौकरी से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव किए हैं। नए नियमों के तहत सेबी ने 'परिवार' और 'आश्रित' की परिभाषा का विस्तार किया है। अब इसमें गोद लिए गए बच्चे, सौतेले बच्चे और ऐसे व्यक्ति भी शामिल होंगे, जो किसी कर्मचारी पर काफी हद तक आर्थिक रूप से निर्भर हैं। इस बदलाव के बाद निवेश, खुलासे और अन्य सेवा संबंधी नियमों का दायरा भी पहले से व्यापक हो जाएगा। संशोधित नियमों के अनुसार, सेबी से इस्तीफा देने या रिटायर होने वाले कर्मचारियों पर दो साल का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' लागू होगा। इस अवधि के दौरान पूर्व कर्मचारी किसी भी व्यक्ति या संस्था की ओर से सेबी के समक्ष किसी मामले में पैरवी नहीं कर सकेंगे। यह प्रतिबंध जांच, सुनवाई, सेटलमेंट और विभिन्न मंजूरियों से जुड़े मामलों पर लागू होगा। यदि कोई सेबी कर्मचारी किसी अन्य संस्थान या कंपनी में नौकरी के लिए बातचीत शुरू करता है, तो उसे एक महीने के भीतर इसकी जानकारी सेबी को देनी होगी।

डसटर पर नहीं जुलाई में रेनो की इन कारों पर जबरदस्त ऑफर, होगा लाखों में फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। जुलाई 2026 में रेनो ने भारतीय बाजार में अपनी चुनिंदा कारों पर आकर्षक लाभों की घोषणा की है। कंपनी की ओर से इस महीने काइगर, ट्राइबर और क्विड पर विभिन्न प्रकार के नकद छूट, एक्सचेंज बोनस, वाहन स्क्रैपिंग लाभ और निष्ठा लाभ दिए जा रहे हैं। हालांकि, कंपनी की प्रमुख एसयूवी डस्टर पर फिलहाल कोई आधिकारिक ऑफर उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस महीने सबसे अधिक लाभ रेनो काइगर पर मिल रहा है। कंपनी के अनुसार, ये सभी ऑफर 31 जुलाई 2026 तक मान्य हैं। अलग-अलग शहरों, डीलरशिप और उपलब्ध स्टॉक के आधार पर इन लाभों में बदलाव संभव है। रेनो काइगर पर 1.25 लाख रुपये तक का लाभ रेनो काइगर पर जुलाई 2026 में सबसे अधिक लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। केरल के ग्राहकों को इस मॉडल पर कुल 1.25 लाख रुपये तक का फायदा मिल सकता है। इसमें 50 हजार रुपये तक की नकद छूट, 50 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस, 25 हजार रुपये तक का वाहन स्क्रैपिंग लाभ और 18 हजार रुपये तक का निष्ठा लाभ शामिल है। वहीं गुजरात के ग्राहकों के लिए नकद छूट 30 हजार

रुपये तक और एक्सचेंज बोनस 40 हजार रुपये तक रखा गया है। अन्य राज्यों के ग्राहकों को 20 हजार रुपये तक की नकद छूट, 25 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस तथा वाहन स्क्रैपिंग, निष्ठा और रेफरल योजनाओं के तहत अतिरिक्त लाभ मिल सकते हैं। भारतीय बाजार में रेनो काइगर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.81 लाख रुपये है, जबकि इसके शीर्ष संस्करण की कीमत 10.35 लाख रुपये तक जाती है। यह मॉडल मारुति सुजुकी ब्रेज़ा, किआ सोनेट, हुंडई वेन्यू, स्कोडा काइलैक और टाटा नेक्सॉन जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी को चुनौती देती है। रेनो ट्राइबर के चुनिंदा वेरिएंट पर भी इस महीने ग्राहकों को आकर्षक लाभ दिए जा रहे हैं। केरल में रहने वाले ग्राहकों को इस मॉडल पर 60 हजार रुपये तक का फायदा मिल सकता है। इसमें 30 हजार रुपये की नकद छूट और 30 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस शामिल है। गुजरात में ट्राइबर पर अधिकतम 45 हजार रुपये तक का लाभ दिया जा रहा है, जिसमें 25 हजार रुपये तक की नकद छूट और 25 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस शामिल है।

भारत-स्पेन के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर, ईयू एफटीए को जल्द अंतिम रूप देने पर हुई चर्चा:पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मैड्रिड में स्पेन के अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। अपने 3 देशों के दौरे के तहत स्पेन में आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच भारत-स्पेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई। बातचीत का मुख्य फोकस नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण (एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग), डिजिटल प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा और नवाचार जैसे क्षेत्रों पर रहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर भी विचार-विमर्श किया और स्पेन के साथ भारत के व्यापारिक सहयोग को और व्यापक बनाने के उपायों पर चर्चा की।भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार

समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में प्रयास तेज होने के बीच वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल एक उच्चस्तरीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। 13 से 17 जुलाई तक चलने वाली इस यात्रा का उद्देश्य यूरोप के साथ भारत की आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्पेन में अपने दौरे के दौरान पीयूष गोयल की अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो, उद्योग एवं पर्यटन मंत्री जोर्डी हेरेउ बोहेर तथा विदेश, यूरोपीय संघ और सहयोग मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस बुएनो के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से तेल की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी, यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6:03 बजे ईटी तक यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, 'कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं

को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।' वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया। इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अमेरिका के हमलों के बाद ईरानी सेनाओं की ओर से कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी की गई। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी विमानों ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। ईरान ने कहा कि जलडमरूमध्य को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि जहाज कानूनी रूप से आवाजाही जारी रख सकते हैं। सीएनबीसी के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने कहा, 'ईरान का जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं है। ट्रैफिक चल रहा है।' मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म विंडवर्ड ने शनिवार को जलडमरूमध्य से गुजरने वाले नौ जहाजों को ट्रैक किया। जॉइंट मैरीटाइम इंफॉर्मेशन सेंटर ने कहा कि ओमान के जलक्षेत्र से होकर जाने वाला दक्षिणी मार्ग आने-जाने वाले ट्रैफिक के लिए खुला रहा। फिर भी, इसने नाविकों को 'बहुत ज्यादा सावधानी' बरतने की सलाह दी।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने मैरीटाइम डेटा कंपनी का हवाला देते हुए बताया कि युद्ध से पहले हर दिन 130 से ज्यादा जहाज हॉर्मुज का इस्तेमाल करते थे, लेकिन गुरुवार को केवल 22 जहाज ही यहां से गुजरे। डेटा कंपनी की मिडिल ईस्ट रिसर्च हेड, अमेना बक्र ने अखबार को बताया, 'वह भरोसा बहुत तेजी से खत्म हो गया।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता सही दिशा में बढ़ रही आगे : वाणिज्य सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है और यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वाणिज्य सचिव ने कहा, 'हमें बातचीत में कोई चुनौती नहीं दिख रही है और बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'दोनों पक्ष सकारात्मक हैं। भारत-अमेरिका फ्रेमवर्क ट्रेड डील सही समय पर साइन किए जाने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हो रहे हैं, जिसमें अमेरिका से ऊर्जा आयात भी शामिल है। 'इस महीने की शुरुआत में, कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत आखिरी दौर में है। अधिकतर अहम मुद्दों को सुलझा लिया गया है और दोनों पक्ष एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं जिससे नई दिल्ली को अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले फायदा मिले। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वाशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा करने में किसी बड़ी बाधा की उम्मीद नहीं है। गोयल ने कहा, 'हमें अमेरिका के साथ कोई मुश्किल नहीं दिख रही है,' और साथ ही कहा कि 'रियायतों और अन्य पहलुओं को काफी हद तक अंतिम रूप दिया जा चुका है '।उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले तरजीही बाजार पहुंच की मांग की है, और अमेरिकी प्रशासन ने इस बात को समझा है। ज्यादा टैरिफ के बावजूद, अमेरिका को भारत का निर्यात मजबूत बना हुआ है। गोयल ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और अनुमान जताया कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत का सामान का निर्यात सालाना आधार पर लगभग 15 प्रतिशत बढ़ेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर रॉयटर्स का दावा फेक : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने रिपोर्ट को बताया पूरी तरह बेबुनियाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते (ट्रेड डील) को लेकर आई एक मीडिया रिपोर्ट पर दोनों देशों ने कड़ा रुख अपनाया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स की उस रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, जिसमें डील में देरी और प्रस्तावों को नामंजूर करने की बात कही गई थी। दोनों पक्षों ने इस खबर को पूरी तरह भ्रामक और 'फेक न्यूज' करार दिया है। दरअसल, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि भारत ने अमेरिका के साथ जल्दबाजी में कोई भी व्यापार समझौता करने से साफ इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया था कि भारतीय पक्ष इस डील को लेकर

अभी जल्दबाजी के मूड में नहीं है और वह व्यापार समझौते में अधिक बेहतर शर्तों की उम्मीद कर रहा है। इस भ्रामक रिपोर्ट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह खबर पूरी तरह से झूठी, बेबुनियाद और भ्रामक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जून के आखिर में नई दिल्ली दौरे पर आए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर के साथ उनकी बेहद शानदार बैठकें हुई थीं। दोनों पक्ष एक ऐसे संतुलित और सार्थक व्यापार समझौते के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जो दोनों देशों के कारोबारियों, किसानों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं के लिए समान रूप से लाभकारी हो। उन्होंने बताया कि दोनों देशों की टीमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार सक्रियता से काम कर रही हैं। रॉयटर्स की इस विवादित रिपोर्ट को कोट करते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी 'एक्स' पर मोर्चा संभाला। उन्होंने लिखा– 'फेक न्यूज़ अलर्ट! किसी ने भी किसी भी प्रस्ताव को खारिज नहीं किया है।' राजदूत सर्जियो गोर ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच बेहद सकारात्मक माहौल में बैठकें हुई हैं और ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। अमेरिकी प्रशासन इस दिशा में भारत के साथ लगातार सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

जून में भारत का वस्तु निर्यात 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर पहुंच गया: सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत का वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) जून 2026 में सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष जून 2025 में 34.98 अरब डॉलर था। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई। हालांकि, कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) और कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में तेजी के कारण आयात में निर्यात की तुलना में अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके चलते जून में वस्तु व्यापार घाटा (मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट) बढ़कर 30.43 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, आयात में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 70.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 54.08 अरब डॉलर था। इसके कारण व्यापार घाटा जून 2025 के 19.10 अरब डॉलर से बढ़कर लगभग 59 प्रतिशत बढ़ते हुए 30.43 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, मासिक आधार पर जून में निर्यात घटकर 40.41 अरब डॉलर रह गया, जबकि मई में यह 45.20 अरब डॉलर था। इसी तरह आयात भी मई के 73.41 अरब डॉलर से घटकर 70.84 अरब डॉलर पर आ गया। सरकार के अनुसार, आयात में तेज वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे तेल और कीमती धातुओं, विशेष रूप से पेट्रोलियम तथा रत्न एवं आभूषण (जेम्स एंड ज्वेलरी) की वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी रही। सरकार ने यह भी बताया कि पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रत्न एवं आभूषण क्षेत्रों में व्यापार घाटा बढ़ा है। अधिकारियों के मुताबिक, देश में बढ़ती आय और तेजी से बढ़ रहे मध्यम वर्ग की मजबूत मांग के चलते इलेक्ट्रॉनिक सामानों का आयात लगातार बढ़ रहा है।अप्रैल-जून तिमाही के दौरान, वैश्विक बाजारों में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का कुल वस्तु निर्यात लगभग 15.9 प्रतिशत बढ़कर 129.32 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, खाड़ी देशों को भारत का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर पर लौट आया है। यह मार्च में 2.62 अरब डॉलर से बढ़कर मई में 5.3 अरब डॉलर हो गया।

खाद्य वस्तुओं के दाम चढ़ने से खुदरा महंगाई दर जून महीने में उछलकर 4.38 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के कारण देश में खुदरा महंगाई दर जून में उछलकर 4.38 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि मई में यह 3.93 फीसदी थी। खुदरा महंगाई दर में इस वृद्धि की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी है। आंकड़ों के मुताबिक सीपीआई पर आधारित खाद्य महंगाई जून में 5.32 फीसदी रही, जो मई के 4.78 फीसदी से अधिक है। इस तरह खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी ने मुख्य महंगाई दर (मुद्रास्फीति) पर दबाव डाला। आंकड़ों के मुताबिक विशेष रूप से अदरक और टमाटर जैसी सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि ने आम आदमी की रसोई का बजट प्रभावित किया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में महंगाई का असर ज्यादा रहा है। जून में ग्रामीण इलाकों में महंगाई दर 4.74 फीसदी रही, जबकि शहरी इलाकों में यह 3.92 फीसदी दर्ज की गई।सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को यह जिम्मेदारी दी हुई है कि वह खुदरा महंगाई दर को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी के स्तर पर बनाए रखे।

मध्य पूर्व में तनाव से दक्षिण कोरियाई शेयर बाजार धड़ाम, एक दिन में करीब 9 प्रतिशत लुढ़का

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरियाई बाजार में करीब 9 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसकी वजह मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के चलते आई मुनाफावूसली और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कोरियाई वॉन में आई गिरावट को माना जा रहा है। दक्षिण कोरियाई न्यूज एजेंसी योनहाप की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि कोरिया कम्पोजिट स्टॉक प्राइस इंडेक्स (कोस्पी) 669.01 अंक या 8.95 प्रतिशत गिरकर 6,806.93 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह गिरकर 6,783.43 के निचले स्तर तक पहुंच गया था। ट्रेड वॉल्यूम ठीक-ठाक रहा, जिसमें 469.86 मिलियन शेयरों का कारोबार हुआ, जिनकी कीमत 39.8 ट्रिलियन वॉन (26.5 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। इसमें गिरावट वाले शेयरों की संख्या (713) बढ़त वाले शेयरों (179) से कहीं अधिक थी।

संस्थानों और विदेशी निवेशकों ने क्रमशः 2.22 ट्रिलियन वॉन और 1.7 ट्रिलियन वॉन के शेयर बेचे, जबकि व्यक्तिगत निवेशकों ने 3.9 ट्रिलियन वॉन के शेयर खरीदे।

0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुलने के बाद कोस्पी में और गिरावट आई, जिससे सर्किट ब्रेकर लग गया और कोस्पी पर लिस्टेड शेयरों की ट्रेडिंग कुछ समय के लिए

(20 मिनट तक) रोक दी गई। इस साल यह उपाय सातवीं बार लागू किया गया। शुक्रवार को अमेरिकी शेयरों में तेजी आई, जिसकी वजह दक्षिण कोरियाई चिपमेकर एसके हाइनिक्स का कई अरब डॉलर का अमेरिकी शेयर ऑफर था। डाओ जोन्स में 0.29 प्रतिशत की बढ़त हुई, जबकि टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.29 प्रतिशत की तेजी थी। नैस्डैक पर एसके हाइनिक्स के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स (एडीआर) 168 डॉलर प्रति शेयर पर बंद हुए, जो 149 डॉलर प्रति शेयर की ऑफरिंग प्राइस से काफी अधिक है। एनालिस्ट्स का कहना है कि यूएस मार्केट में सफल शुरुआत के बावजूद, एसके हाइनिक्स के शेयरों में गिरावट आई क्योंकि निवेशक ने मुनाफा कमाया और कंपनी के एडीआर में निवेश करना शुरू कर दिया। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच नए हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में बढ़ी अनिश्चितता से भी इन्वेस्टर्स का उत्साह कम हुआ। सैमसंग सिक्योरिटीज ने एक रिसर्च नोट में कहा, 'देश में हाल ही में शुरू किए गए सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स से जुड़े सिंगल-स्टॉक लेवरेज्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) ने शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव को बढ़ावा देना जारी रखा। ' गिरावट में टेक शेयरों का दबदबा रहा। मार्केट की दिग्गज कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 10.7 प्रतिशत गिरकर 254,500 वॉन पर आ गई, जबकि चिप बनाने वाली उसकी प्रतिद्वंद्वी एसके हाइनिक्स 15.37 प्रतिशत गिरकर 1,845,000 वॉन पर आ गई। प्रमुख कार निर्माता हुंडई मोटर 2.95 प्रतिशत गिरकर 444,000 वॉन पर आ गई, और डिफेंस क्षेत्र की बड़ी कंपनी हान्वा एयरोस्पेस 3.21 प्रतिशत गिरकर 936,000 वॉन पर आ गई। फायदा उठाने वाली कंपनियों में, बैटरी बनाने वाली प्रमुख कंपनी एलजी एनर्जी सॉल्यूशंस में 0.77 प्रतिशत की बढ़त हुई, और प्रमुख रिफाइनर एसके इनोवेशन 7.09 प्रतिशत बढ़कर 110,200 वॉन पर पहुंच गई। दोपहर 3:30 बजे कोरियाई वॉन का भाव यूएस डॉलर के मुकाबले 1,503.4 वॉन रहा, जो पिछले सत्र के मुकाबले 2 वॉन कम है।

होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान के खिलाफ लगातार तीसरा हमला किया शुरू

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को ईरान के खिलाफ हमलों का एक और दौर शुरू किया। कमांड ने कहा, 'आज शाम 4:45 बजे अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कमांडर इन चीफ के निर्देश पर ईरान के खिलाफ लगातार तीसरी रात हमले शुरू किए।' अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने एक यूएस अधिकारी के हवाले से बताया कि यूएस, कोस्टल सर्विलांस सिस्टम, ड्रोन और मिसाइल क्षमताओं सहित ईरानी मिलिट्री एसेट्स को टारगेट कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, 'हम आज रात उन पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और कल भी हम उन पर जोरदार हमला करेंगे।' इस बीच, ट्रंप ने कहा कि ईरान पर सैन्य समझौता तोड़ने और

रणनीतिक समुद्री मार्ग में ड्रोन भेजना जारी रखने का आरोप लगाने के बाद, अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल कर लेगा और हमेशा के लिए इसकी सुरक्षा की निगरानी कर सकता है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'हम स्ट्रेट पर कब्जा कर रहे हैं। उनके पास कुछ भी नहीं है।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने रात भर में ईरानी सैन्य एसेट्स पर हमला किया और किसी भी नई ड्रोन गतिविधि का जोरदार जवाब देना जारी रखेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, 'उनके ज्यादातर उपकरण खत्म हो गए हैं। उनकी एंटी-एयरक्राफ्ट गन, हमने कल रात उन्हें बहुत जोर से मारा।' राष्ट्रपति ने कहा कि वाशिंगटन और तेहरान एक ऐसे समझौते पर पहुंच गए थे जिसे उन्होंने पूरा हुआ बताया, इससे पहले कि ईरान लंबी बातचीत के बाद बदलाव की मांग करता। ट्रंप ने कहा, 'कोई नहीं जानता, लेकिन हमारे बीच एक डील हुई थी। यह एक पक्की डील थी और फिर उन्होंने इसे तोड़ दिया।' उन्होंने कहा कि ईरान की तरफ से बातचीत करने वाले ने 11 घंटे की मीटिंग की थी और शुरू में हर बात पर राजी हो गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने बदलाव की मांग करके कदम पीछे ले लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैंने कहा, हम बदलाव नहीं करने वाले हैं। हमेशा बदलाव होते हैं। वे प्रोफेशनल बातचीत करने वाले हैं।

इजरायल में इस साल 27 अक्टूबर को होगा चुनाव, जनता करेगी नेतन्याहू की किस्मत का फैसला

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल में आम चुनाव की तारीख का ऐलान हो गया है। नेसेट के कानूनी सलाहकार गालित अफिक ने रविवार को घोषणा की कि नेसेट 17 जुलाई को भंग हो जाएगा। इसके साथ ही इजरायल में चुनाव अपनी तय तारीख 27 अक्टूबर को होंगे। यह इजरायली कानून के तहत सबसे आखिरी तारीख है। 27 अक्टूबर को इजरायल के वर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की किस्मत का फैसला होगा। इजरायली मीडिया टाइम्स ऑफ इजरायल की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, अफिक ने नेसेट हाउस कमेटी की चर्चा के दौरान कहा, 'मौजूदा नेसेट अपना कार्यकाल पूरा करेगी और इसे जल्दी भंग नहीं किया जाएगा। चुनाव की तारीख कानून के अनुसार तय की गई है और यह 27 अक्टूबर ही रहेगी।' बता दें, इससे 1988 के बाद पहली बार इजरायल में तय समय पर आम चुनाव होंगे। इसके साथ ही, यदि ऐसा होता है तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौजूदा सरकार 1973 के बाद पहली ऐसी इजरायली सरकार बन जाएगी, जिसने अपना पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा किया हो। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब गठबंधन ने संसद भंग होने से पहले अपनी सबसे विवादित बिल पास कराने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। संसद भंग होने पर आम तौर पर कानून तब तक नहीं बनते जब तक गठबंधन और विपक्ष दोनों सहमत न हों। इजरायल की 37वीं मौजूदा संसद 29 दिसंबर, 2022 को नफ्ताली बेनेट-यायर लैपिड सरकार के गिरने के बाद बनी थी।

परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ा तो ईरान पर प्रतिबंध जारी रहेगाः फ्रांस

पेरिस/तेहरान । फ्रांस ने स्पष्ट किया है कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ने की घोषणा नहीं करता, तब तक उस पर लगे प्रतिबंधों में कोई राहत नहीं दी जाएगी। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बारो ने फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में कहा कि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम का त्याग किए बिना उस पर लगे प्रतिबंध हटाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। पिछले महीने भी बारो ने कहा था कि फ्रांस ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर होने वाली वार्ताओं में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की शर्तों से संतुष्ट हुए बिना पेरिस संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध हटाने का समर्थन नहीं करेगी। फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और उसके पास वीटो का अधिकार भी है। उधर, तेहरान में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने मीडिया से कहा कि ईरान ने हर वार्ता में गंभीरता और पूरी जिम्मेदारी के साथ हिस्सा लिया है तथा हमेशा देश के हितों और जनता की चिंताओं को प्राथमिकता दी है।

दक्षिण चीन सागर विवादः जापान पर भड़का बीजिंग, दूत को तलब कर दर्ज कराया विरोध

बीजिंग/टोक्यो । चीन और जापान एक बार फिर आमने-सामने हैं। फिलहाल मुद्दे की जड़ में दक्षिण चीन सागर को लेकर जारी किया गया बयान है। दक्षिण चीन सागर को लेकर 2016 में आए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले के समर्थन में जापान सहित 14 देशों ने ये संयुक्त बयान जारी किया। इसके बाद से ही चीन और जापान के बीच तनाव और बढ़ गया है। चीन ने जापानी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और टोक्यो पर क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करने का आरोप लगाया। यह विवाद उस संयुक्त बयान के बाद सामने आया, जिसमें जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, फिलीपींस और कई यूरोपीय देशों ने हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के 2016 के फैसले की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि यह फैसला अंतिम, कानूनी रूप से बाध्यकारी और चीन तथा फिलीपींस के बीच समुद्री दावों के संबंध में निर्णायक है। चीन ने एक बार फिर इस फैसले को खारिज करते हुए इसे 'बेकार कागज का टुकड़ा' बताया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस फैसले का इस्तेमाल बाहरी शक्तियां दक्षिण चीन सागर में हस्तक्षेप और अस्थिरता पैदा करने के बहाने के रूप में कर रही हैं।

कांगो में इबोला का प्रकोप बढ़ाः पांच प्रांतों के 1,873 संक्रमित, 672 की मौत

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के पांच प्रांतों में अब तक संक्रमण के 1,873 मामले सामने आए हैं, जबकि 672 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक रिपोर्ट के हवाले से दी। सिंहुआ ने बताया कि जारी रिपोर्ट में शुक्रवार तक के आंकड़े शामिल हैं। इसके अनुसार इटुरी, नॉर्थ किवू, साउथ किवू, हाउत-उएले और शोपो (त्शोपो) प्रांत में इबोला का प्रकोप ज्यादा है। हाउत-उएले और शोपो को पहली बार राष्ट्रीय स्थिति रिपोर्ट में शामिल किया गया है। जांच में सामने आया है कि इन दोनों प्रांतों में मिले संक्रमण के मामले इटुरी प्रांत में मौजूद प्रकोप के केंद्र से लोगों की आवाजाही और संपर्क के जरिए जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 763 मरीज आइसोलेशन में हैं या अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। उपचार केंद्रों में बेड की कुल उपलब्ध क्षमता का 95.1 प्रतिशत हिस्सा भरा हुआ है। अब तक 306 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 299 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 91 लोगों की मौत हुई है। बुंडिबुग्यो इबोला वायरस से फैले इस प्रकोप की आधिकारिक घोषणा 15 मई को की गई थी।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने बढ़ाई खाड़ी देशों में हलचल, जॉर्डन ने कई ड्रोन किए नष्ट

एजेंसी

कुवैत सिटी । ईरान-अमेरिका के बीच ताजा हमलों ने खाड़ी देशों की चिंता फिर से बढ़ा दी है। कुवैत ने कहा कि उसकी सेना एयरस्पेस में ईरानी हवाई हमलों का सामना कर रही है। वहीं, बहरीन की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, देश में सायरन बजा दिया गया है और लोगों से सबसे पास की सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की गई है। जॉर्डन ने भी कई ड्रोन को हवा में नष्ट करने का दावा किया। ईरान ने कहा कि वह उसके क्षेत्र पर अमेरिकी हमलों के जवाब में पूरे क्षेत्र में हमले शुरू कर रहा है। इस बीच अमेरिकी सहयोगियों बहरीन, कुवैत और जॉर्डन सभी ने स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह हवाई हमलों को लेकर जवाबी कार्रवाई की सूचना दी। जॉर्डन की सेना ने ईरान की चार मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। तीनों देशों ने रविवार को भी हवाई हमलों की सूचना दी थी। ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, बहरीन में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी एयर फोर्स ने ईसा एयर बेस पर हमला किया। कुवैत की सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में लोगों से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की और लिखा, 'सुरक्षा बल अभी कुवैती एयरस्पेस में दुश्मन के हवाई टारगेट का सामना कर रहे हैं। आर्मी के जनरल स्टाफ ने बताया है कि अगर कोई धमाके की आवाज सुनाई देती है, तो वह एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा है। सभी से अनुरोध है कि वे जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। '

मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव : यूएई का दावा- होर्मुज़ स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों पर ईरान ने दागीं क्रूज़ मिसाइलें, हमले में एक की मौत, 8 घायल

एजेंसी

दुबई/मनामा/तेहरान। मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज़ स्ट्रेट (Strait of Hormuz) में युद्ध की स्थिति और गंभीर हो गई है। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने आधिकारिक तौर पर ईरान पर उसके दो तेल टैंकरों को निशाना बनाकर हमला करने का बड़ा आरोप लगाया है। अमीरात और बहरीन के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस ताजा समुद्री हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बहरीन के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, होर्मुज़ स्ट्रेट के दक्षिणी हिस्से और ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहे 'मोंबासा' (Mombasa) और 'बाहिया' (Bahia) नाम के दो तेल टैंकरों पर यह हमला हुआ। मंत्रालय ने दावा किया है कि ईरान की ओर से दागी गई दो घातक क्रूज़ मिसाइलों से इन दोनों जहाजों को निशाना बनाया गया, जिससे जहाजों को भारी नुकसान पहुँचा है और चालक दल के सदस्य हताहत हुए हैं।

गंभीर आरोपों के बावजूद ईरान सरकार या उसकी मुख्य सेना की ओर से अभी तक इस हमले पर

कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या खंडन सामने नहीं आया है। हालांकि, ईरानी सैन्य सूत्रों से जुड़ी स्थानीय समाचार एजेंसियों ने एक रहस्यमयी दावा जरूर किया है। एजेंसियों के अनुसार, 'समुद्री क्षेत्र में कई नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों पर कार्रवाई (हमला) की गई है।' लेकिन, ईरानी मीडिया ने भी हमले के स्रोत या इसके लिए जिम्मेदार पक्ष का सीधे तौर पर कोई उल्लेख नहीं किया है। इससे पहले, ब्रिटिश नौसेना के अंग 'यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' (UKMTO) ने भी मंगलवार सुबह ओमान के कलहात (Qalhat) से करीब 40 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में एक संदिग्ध समुद्री घटना होने की पुष्टि की थी। यूकेएमटीओ के अनुसार, प्रभावित तेल टैंकर के कैप्टन ने रेडियो संदेश के जरिए सूचना दी थी कि एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या रॉकेट) उनके जहाज के इंजन रूम के दाहिने हिस्से (Starboard Side) से आकर टकराया है। हालांकि, संगठन ने यह भी कहा कि इस विशिष्ट घटना के दौरान चालक दल के सभी सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं और जहाज पर ही मौजूद हैं। इस ताजा हमले के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में हड़कंप मच गया है।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर मिस्र और सऊदी ने जताई चिंता, तनाव कम करने की अपील

एजेंसी

काहिरा। मिस्र और सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही की सुरक्षा बनाए रखने और ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को शांत करने की अपील की। यह बात मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलट्टी और सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के बीच हुई फोन पर बातचीत के दौरान कही गई। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। जानकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात की सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समुद्री रास्तों पर किसी तरह की रुकावट आती है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ सकता है। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चर्चा की। उन्होंने खाड़ी देशों और जॉर्डन पर ईरान के हमलों की निंदा की और सभी पक्षों से तुरंत तनाव बढ़ाने वाली गतिविधियां रोकने की अपील की।

समाचार एजेंसी ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान के दक्षिणी होर्मोजगन प्रांत के बंदर अब्बास बंदरगाह शहर और केशम द्वीप के आसपास सोमवार दोपहर धमाकों की आवाजें सुनी गईं। रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों की आवाजें शहर से दूर इलाकों से आईं और ऐसा लग रहा था कि उनका केंद्र बंदर अब्बास के पश्चिमी तट के आसपास था। मेहर एजेंसी ने बताया कि ये धमाके होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में चल रही झड़पों से जुड़े हो सकते हैं। होर्मोजगन प्रांत के अधिकारियों ने कहा कि बंदर अब्बास और केशम द्वीप पर अमेरिका के ताजा हमलों में किसी के हताहत होने या घरों और व्यापारिक इमारतों को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। वहीं, बहरीन रक्षा बल ने कहा कि उसके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से किए गए कई हवाई हमलों को रोक दिया। एक बयान में बहरीन रक्षा बल ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए बहरीन के खिलाफ लगातार 'सुनियोजित आक्रामक रवैया' अपना रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा पर ट्रंप ने मांगा 20 फीसदी शुल्क, ईरान ने खुद को बताया वास्तविक गार्डियन, कहा- फैसला हम करेंगे

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट का 'गार्डियन' बनने और वहां से गुजरने वाले कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा पर ईरान ने प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की यह बात सही है कि सुरक्षा देने वाले को मुआवजा मिलना चाहिए, लेकिन 20 प्रतिशत शुल्क बहुत अधिक है। साथ ही उसने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट का वास्तविक 'गार्डियन' ईरान है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति बिल्कुल सही हैं। जो भी वाणिज्यिक जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराता है, उसे इस सेवा के लिए मुआवजा मिलना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'ईरान हमेशा से इस स्ट्रेट का गार्डियन रहा है और आगे भी रहेगा। हालांकि, 20 प्रतिशत शुल्क निश्चित रूप से बहुत अधिक है। हम निष्पक्ष रहेंगे। ' इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के साथ या उसके बिना भी खुला रहेगा, क्योंकि अमेरिका उस

व्यवस्था को फिर से लागू कर रहा है जिसे उन्होंने 'ईरानी नाकाबंदी' बताया। उनके अनुसार, सभी देशों के जहाजों को इस मार्ग से निर्बाध आवाजाही की अनुमति होगी, जबकि केवल ईरान और उसके ग्राहकों के जहाजों पर प्रतिबंध रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'अब से अमेरिका को 'गार्डियन ऑफ द होर्मुज स्ट्रेट' के नाम से जाना जाएगा। निष्पक्षता के आधार पर इस संवेदनशील समुद्री मार्ग की सुरक्षा पर होने वाले सभी खर्च की भरपाई के लिए यहां से गुजरने वाले प्रत्येक कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। ' उन्होंने आगे कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट खुला है और ईरान के साथ या उसके बिना भी खुला रहेगा। हम 'ईरानी नाकाबंदी' को फिर से लागू कर रहे हैं। इसका मतलब है कि केवल ईरान के जहाजों या उसके ग्राहकों को ही इस मार्ग से आने-जाने से रोका जाएगा। बाकी सभी देशों को इस स्ट्रेट का निष्पक्ष और खुला उपयोग करने की पूरी अनुमति होगी। ट्रंप ने कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से शुरू की जाएगी।

इस घोषणा से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में संकेत देते हुए कहा था, 'हम होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेंगे और संभव है कि उसका संचालन भी करें। हम इस स्ट्रेट के संरक्षक बनेंगे। शायद हम खुद को 'गार्डियन एंजेल ऑफ द स्ट्रेट' भी कहें और इसके लिए हमें भुगतान मिलना चाहिए।

पाकिस्तान में अफगान प्रवासियों पर कार्रवाई, गिरफ्तारी और निर्वासन अभियान शुरू

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरि?कों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों को भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एसीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है। पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटेरिएट ने कहा कि पिछले सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना या बढ़वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है।

ईरान के परमाणु ठिकाने पर फिर हमले के संकेत, ट्रंप बोले- हमारी नजर हर गतिविधि पर, जल्द हो सकती है कार्रवाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि ईरान का परमाणु ठिकाना 'पिकएक्स माउंटेन' जल्द ही अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का निशाना बन सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह ठिकाना अमेरिका की निगरानी में है और संभावित हमलों की सूची में शामिल है। कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट 'ह्यू हेविट' को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'हमारी नजर वहां हर समय बनी हुई है। 'पिकएक्स' एक संभावित लक्ष्य है और इसके मुख्य प्रवेश द्वार पर एक बड़ा हमला किया जा सकता है। ' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह हमारी सूची में है। हम इसे बहुत करीब से देख रहे हैं। फिलहाल वहां कोई गतिविधि दिखाई नहीं दे रही है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम अच्छी स्थिति में नहीं है। जब भी हमें किसी

गतिविधि की जानकारी मिलती है, हम उसे नष्ट कर देते हैं। इसलिए अब वे इसके बारे में बात करना भी पसंद नहीं करते। संभव है कि हम जल्द ही 'पिकएक्स' पर भी कार्रवाई करें। ' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर बातचीत से पीछे हटने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐसा समझौता होने वाला था जिसमें अमेरिका की सभी प्रमुख शर्तें मान ली गई थीं, लेकिन ईरान ने उसे तोड़ दिया। ट्रंप ने कहा, 'वे समझौते करते हैं, लेकिन उनके लिए समझौते तोड़ने के लिए ही होते हैं। वे बिल्कुल भरोसेमंद नहीं हैं। ' ईरानी नेतृत्व पर हमला बोलते हुए ट्रंप ने उन्हें 'पूरी तरह पागल लोग' बताया। उनका दावा था कि यदि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार आया तो वह एक दिन के भीतर उसका इस्तेमाल कर देगा। जब ट्रंप से ईरान के शीर्ष नेताओं के खिलाफ संभावित कार्रवाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। हालांकि उन्होंने इतना जरूर कहा कि अमेरिका के पास उनसे जुड़ी विस्तृत खुफिया जानकारी मौजूद है, लेकिन वह इस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करना चाहते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान की पारंपरिक सैन्य ताकत लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'उनके पास न वायुसेना बची है, न नौसेना और न ही कोई बड़ी सैन्य क्षमता। ' इससे पहले व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भी राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने साफ कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ' हालांकि सैन्य दबाव बढ़ाने के बावजूद ट्रंप ने यह भी कहा कि बातचीत के रास्ते अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ईरान के साथ एक समझौता अब भी संभव है।

ब्रिटेन का बड़ा फैसलाः आईआरजीसी समेत तीन संगठनों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित करने की तैयारी

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और दो अन्य संगठनों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। बाकी दो संगठन हैं इस्लामिक मूवमेंट ऑफ कंपैनियंस ऑफ द राइट (आईएमसीआर), जिसे ब्रिटेन ईरान से जुड़ा मानता है, और वॉलंटियर कॉर्प्स, जिसकी देखरेख रूसी सेना की मुख्य खुफिया एजेंसी 'जीआरयू' करती है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रि?पोर्ट के अनुसार, सुरक्षा मंत्री एंजेला ईगल के लिखित बयान के मुताबिक, अगर संसद से मंजूरी मिल जाती है तो ये तीनों संगठन नेशनल सिक्योरिटी (स्टेट थ्रेट्स) एक्ट 2026 के तहत नामित किए जाने वाले पहले संगठन होंगे। अगर यह फैसला लागू हो जाता है, तो इन संगठनों की ब्रिटेन से जुड़ी गतिविधियों में मदद करना, उनका समर्थन करना या जानबूझकर उनसे किसी तरह का आर्थिक या दूसरा फायदा लेना अपराध माना जाएगा।

इनमें से कुछ मामलों में अधिकतम सजा उम्रकैद तक हो सकती है। ब्रिटेन पहले ही पूरे आईआरजीसी पर प्रतिबंध लगा चुका है। हालांकि, यह नई व्यवस्था टेररिज्म एक्ट 2000 के तहत किसी संगठन को आतंकवादी घोषित करने वाली व्यवस्था से अलग है। इस पर तीनों संगठनों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मई में ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने ईरान के राजदूत को तलब किया था। यह कदम उस समय उठाया गया था जब तीन ईरानी नागरिकों पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत आरोप लगाए गए थे।

ब्रिटेन ने कहा था कि इन तीनों ईरानी नागरिकों पर ऐसे काम करने का आरोप है, जिनसे किसी विदेशी खुफिया एजेंसी को फायदा पहुंच सकता था। इन तीनों वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस के मुताबिक, इन पर आरोप है कि इन्होंने 14 अगस्त 2024 से 16 फरवरी 2025 के बीच ईरान की खुफिया एजेंसी की मदद करने वाली गतिविधियां कीं।

फिलीपींस में तूफान 'बावी' का कहरः मरने वालों की संख्या 18 पहुंची, 12 लोग अब भी लापता

एजेंसी

मनीला । फिलीपींस में तूफान 'बावी' और दक्षिण-पश्चिमी मानसून के संयुक्त प्रभाव से मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है, जबकि 12 लोग अब भी लापता हैं। यह जानकारी फिलीपींस के ऑफिस ऑफ सिविल डिफेंस (ओसीडी) ने दी। स्थानीय समयानुसार रविवार को ओसीडी ने बताया कि अधिकांश लोगों की मौत भूस्खलन और डूबने से हुई है। खराब मौसम के कारण देशभर में करीब 5.62 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, फिलीपींस की मौसम एजेंसी 'पीएजेएएसए' ने कहा है कि तूफान 'बावी' ने दक्षिण-पश्चिमी मानसून को और अधिक सक्रिय कर दिया है। इसके चलते कई क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश होने की आशंका है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक कई इलाकों में प्रशासन ने खोज एवं बचाव दल तैनात किए हैं और राहत कार्य जारी है। वहीं, फिलीपींस कोस्ट गार्ड ने बताया कि समुद्र में ऊंची लहरों और खराब मौसम के कारण विभिन्न बंदरगाहों पर सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं।

उधर, तूफान से जुड़े घटनाक्रम के बीच चीन ने भी बाढ़ नियंत्रण और राहत कार्य तेज कर दिए हैं। रविवार को भी तूफान 'बावी' का असर चीन के कई हिस्सों में बना रहा।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-

जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। '

पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियां में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया। साल 2026 में भारत और जर्मनी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर मर्ज ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, हरित व सतत विकास, तकनीक, नवाचार, शिक्षा और लोगों की आवाजाही जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस साल दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात थी। उन्होंने रक्षा उद्योग सहयोग रोडमैप पर हस्ताक्षर और जर्मनी से होकर यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रांजिट वीजा छूट की शुरुआत का भी स्वागत किया। चांसलर मर्ज़ ने प्रधानमंत्री मोदी को इस साल के अंत में जर्मनी में होने वाली 8वीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीसी) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

page 1 and 8 July 15_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/15/2026 12:54 AM Page 2

काश्मीरजम से सैफ्रो तक: कुंकुम की ढाई हजार वर्ष की विरासत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि का सेतु

प्रणव गंजू
परसेप्तान गेस्टाल्ट टेकोलॉजीज इंडिया, जम्मू

ई-मेल - pg@geti.in

कुंकुम — जिसे संसार केसर के नाम से जानता है केवल एक मसाला नहीं है। यह मानवजाति के सर्वाधिक प्रशेतित वानस्पतिक पदार्थों में से एक है, जिसकी कथा किसी प्रयोगशाला में नहीं, अपितु एक सुचिचारित मानवीय संवक्य में आरंभ होती है। आज भारत में बिकने वाला 80% मे अधिक केसर मिलावटी अथवा पूर्णत: कृबित है। वर्व 2018 से केसर जम्मू-करमीर में निर्वात की बस्तु से आयात की बस्तु बन गना है — अब आयात, कुस केसर दिक्रम के आये से अधिक का प्रतिनिचित्त करता है। पंपोर — जो कभी संसार का केसर-कटोरा था — मे उत्पादन पेतिद्वासिक स्तर के एक सौवाई से भी कम रह गता है। इसके कारण संस्चनात्यक और जैविक है। क्रोकस सेटाइमस एक बांच पादन है — यह बीज द्वारा प्रजनन नहीं कर सकता। प्रत्येक पमकंद को हस्तचालित वानस्पतिक विभाजन द्वारा, धीरं-धीरं, वर्षों में बढ़ाना जाता है। वार्षिक पुपान अबधि केवल दो से तीन सप्ताह की होती है। प्रत्येक पुष्प से केवल तीन वतिकारा मास होते है, जिन्हें सुमोंदम से पूर्व ताथ से चुना जाता है। खुले खेतों में यह फसल अविवृहि, बाब, पाला, साही, कृंतक और पक्षियों के आक्रमण से संचर्ष करती है। भूमि के भीतर, मुदाजनित येग वनकंदों को तब नह करते है जब किसान को इसका ज्ञान भी नहीं होता। अनिवार्व फसल-चक, मुदा अरण और पीड़ी-दा-पीढ़ी पनकंदों की गुणवत्ता में हास — बे जब मिलकर इस संकट को और गहरा करते हैं। आपूर्ति मांग अथवा पूंजी से नहीं, अपितु जीव-विज्ञान द्वारा ही सीमित है। यही सेरचनात्मक अभाव मिलावट को आर्थिक हृष्टि से तर्कवागत बना देता है। आधुनिक विज्ञान मे अब यह उद्घादिन किया है कि युगों-युगों तक इस पादप को इतना मूल्यवान वनों माना गया। कुंकुम के सक्रिय यौगिक — क्रोसिन, क्रोसेटिन और सेफानाल — मानव जीन अभिवालि के साय प्रत्यश्च अन्तःक्रिया करते है। ये कोशिकीम सार पर ऑक्सीकरण-मतिरोध की मूल रक्षा प्रणाली को सक्रिय करते हैं, दाहजनक यागों को नियंत्रित करते है और दीर्घायु से संबद्ध आनुवंयिक नियामकों को प्रेरित करते है। जो चिकित्सा हमारे पूर्वजों ने बहज बोध से की, उसे जीनोमिक्स अब आणविक स्तर पर प्रमाणित कर रही है। कुंकुम, पोषण-जीनोमिक्स का सर्वाचिक प्राचीन और सर्वाचिक ममाणित विषय है। परसेणान गेस्टाल्ट टेकोलॉजीज इंडिमा प्राइबेट लिमिटेड — जम्मू में स्वापित एक स्टार्टअप — इसी के प्रत्युसर में सैपनों का निर्माण कर रही है। एक नियत्रित इनडोर जलकृषि फार्म भूदाजनित रोग, जलवायु-निर्भरता और जीव-पीड़क संकट को पूर्णत- समात करता है। एक कृत्रिम बुद्धिमला प्रणाली, सहकर्मी-समीक्षित सोध को वास्तविक समम में कृषि-मार्गदर्सन में रूमांतरित करती है — केवल आंकड़े नहीं, फसल के प्रत्येक जीवन-चरण में सटीक उत्तर। सीएसआईआर-आईआईआईयम जम्मू प्रमाणीकरण प्रत्येक उत्पाद की प्रामाणिकता की मारंटी देता है।

सेकरों प्राचीन विरासत, आधुनिक जीनोमिक्स और राष्ट्रीय आदेश के सेगम पर स्थित है। यह पोशन-जीनोमिक्स के उभरते विज्ञान में एक योगदान है — कुंकुम की आणविक बुद्धिमत्ता को प्रत्येक मानव जीनोम के लिए सुलभ, प्रमाणित और अनुरेखणीय बनाना।

अयोध्या की आड़ में देश की अस्मिता व आस्था पर प्रहार: मुख्यमंत्री

पहले बेटी और व्यापारी असुरक्षित थे, आज यूपी निवेशकों की पहली पसंद

गरीबों के हक पर डकैती डालने और हनुमानगढ़ी जैसे पवित्र स्थल पर नमाज पढ़वाने का कुत्सित प्रयास करने वाले बना रहे हिंदू धामों को निशाना

यूपी को मिले 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, सवा तीन करोड़ युवाओं को एमएसएमई में मिला रोजगार

***लखनऊ, 14 जुलाई।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है, वे देश की अस्मिता व आस्था पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मामले में ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी निष्पक्ष जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। नैतिक आधार पर इस्तीफे भी हुए हैं। लेकिन, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की आड़ में जो लोग आस्था के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं, हिंदू धामों पर प्रहार कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जो गरीबों के हक पर डकैती डालते थे और हनुमानगढ़ी जैसे पवित्र स्थल पर नमाज पढ़वाने का कुत्सित प्रयास करते थे। सीएम ने जनता से राष्ट्रीय मूल्यों को ठेस पहुंचाने वाली ऐसी ताकतों से सजग रहने की अपील की।

मुख्यमंत्री मंगलवार को लखनऊ में कॉन्क्लेव ऊंचाइयों पर यूपी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पिछले 9 वर्षों से अधिक समय के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में आए युगांतकारी परिवर्तनों और उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के दृढ़ संकल्प से आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकलकर देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

*बेटियों को यूपी से बाहर भेज देते थे लोग*मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में 2017 से पहले हर तीसरे दिन दंगा होता था, महीनों तक कर्फ्यू रहता था। बेटी व व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। 35 से ज्यादा ऐसे जनपद थे, जहां लोगों ने बेटी को यूपी के बाहर हॉस्टल या रिश्तेदार के घर भेजकर पढ़ाई कराई। अन्य लोग बेटियों की सुरक्षा के लिए उन्हें स्कूल भेजना ही बंद कर देते थे। व्यापारी को पता नहीं होता था कि घर लौट पाएगा या नहीं। किसान अपने खेत में जाने से डरता था।

*विस्फोटों से जुड़ता था यूपी का नाम*सीएम ने कहा कि उस वक्त देश में कहीं विस्फोट होता था, तो यूपी का नाम जुड़ता था। पिछली सरकारों में दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था। माफियाओं के सामने सरकारें नतमस्तक होकर नाक रगड़ती थीं। नई पीढ़ी को यह जानकारी देने की आवश्यकता है। लेकिन, पिछले 9 वर्षों में हमारी पहचान दंगा, कर्फ्यू और उपद्रवमुक्त उत्तर प्रदेश के रूप में बनी है। उत्तर प्रदेश में अब बेटी, व्यापारी समेत हर व्यक्ति सुरक्षित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा का वातावरण नहीं बना होता तो कोई निवेशक यूपी में नहीं आता। हमने 2017 अक्टूबर में इन्वेस्टर समिट की योजना बनाई और इसके लिए पॉलिसी तैयार की। नतीजा यह कि यूपी को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं, जिसमें 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट धरातल पर उतारे जा चुके हैं। 2017 के पहले लखनऊ की चिकनकारी, फिरोजाबाद का ग्लास, मुरादाबाद का पीतल, मेरठ का स्पोर्ट्स, भदोही का कालीन व बनारस का साड़ी उद्योग दम तोड़ रहा था। उद्यमियों व कारोबारियों के पास घर बैठने के सिवा कोई चारा नहीं था। डबल इंजन सरकार बनी तो हमने 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) के रूप में इनकी ब्रांडिंग की। 75 जिलों के 79 उत्पादों को जीआई टैग के साथ जोड़ा गया है। ओडीओपी के तहत वर्तमान में 96 लाख एमएसएमई यूनिट यूपी में कार्यरत हैं, जिनमें सवा तीन करोड़ युवाओं को रोजगार मिला है। यूपी आज 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ओडीओपी उत्पाद निर्यात कर रहा है।

स्थानीय समाचार

कुंजवानी में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत आधुनिक एस्पिरेशनल टॉयलेट्स का निर्माण शुरू

जम्मू, 14 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं जम्मू नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बिलावरिया ने मंगलवार को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत वार्ड नंबर-55, कुंजवानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर आधुनिक 'एस्पिरेशनल टॉयलेट्स' के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस परियोजना का निर्माण जम्मू नगर निगम की देखरेख में किया जाएगा।

इस अवसर पर बलदेव सिंह बिलावरिया ने बताया कि ये आधुनिक सार्वजनिक शौचालय अत्याधुनिक तकनीक से लैस होंगे। इनमें ऑटोमैटिक फ्लश सिस्टम, टचलेस वॉश बेसिन, वॉयस गाइडेंस, महिलाओं और शिशुओं के लिए विशेष सुविधाएं, सौर ऊर्जा, बायोडाइजेस्टर तकनीक तथा पानी के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराना है। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनकी यात्रा अधिक आरामदायक होगी।

बिलावरिया ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, आधुनिक और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को अपनी आदत बनाने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

सकीना इटू ने स्कूल शिक्षा विभाग के दो व्याख्याताओं के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

श्रीनगर, 14 जुलाई। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री सकीना इटू ने मगाम में हुए एक सड़क हादसे में स्कूल शिक्षा विभाग के दो व्याख्याताओं की दुखद मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

दिवंगत शिक्षकों की पहचान मंजूर अहमद मलिक, व्याख्याता (भौतिक विज्ञान) तथा शबीर अहमद डार, व्याख्याता (रसायन विज्ञान) के रूप में हुई है। दोनों बारामूला जिले के गुलमर्ग क्षेत्र के निवासी थे।

मंत्री ने अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इन दोनों समर्पित शिक्षकों का असमय निधन स्कूल शिक्षा विभाग तथा जम्मू-कश्मीर के समूचे शिक्षण समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा, इस गहन दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं अल्लाह तआला से दुआ करती हूं।

नाबार्ड ने मनाया 45वां स्थापना दिवस, महिला किसानों के योगदान को किया सम्मानित

जम्मू, 14 जुलाई। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना 12 जुलाई 1982 को नाबार्ड अधिनियम, 1981 के तहत हुई थी। नाबार्ड के जम्मू-कश्मीर क्षेत्रीय कार्यालय ने 13 जुलाई 2026 को अपने परिसर में 45वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष को समर्पित किया गया, जिसमें कृषि, ग्रामीण आजीविका और उद्यमिता में महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई, जम्मू के क्षेत्रीय निदेशक*श्री चंद्रशेखर आज़ाद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड, जम्मू-कश्मीर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी अधिकारी श्री विकास मित्तल ने की। इस अवसर पर आरबीआई, जम्मू की उप महाप्रबंधक श्रीमती विभा गुप्ता, यूटीएलबीसी के महाप्रबंधक श्री अशोक गुप्ता, जम्मू और कश्मीर ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता, स्कूास्ट-जम्मू की सहायक प्रोफेसर डॉ. सबाहत ग़ज़ल, सहकारी बैंकों, स्वयं सहायता समूहों एसएचजी, किसान उत्पादक संगठनों एफपीओ, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों नाबार्ड

के अधिकारियों तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में ग्रामीण विकास, वित्तीय समावेशन तथा आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में नाबार्ड के योगदान को रेखांकित किया गया। साथ ही महिला किसानों, स्वयं सहायता समूहों, पैक्स तथा किसान उत्पादक संगठनों की उपलब्धियों का सम्मान किया गया। अपने मुख्य संबोधन में श्री चंद्रशेखर आज़ाद ने नाबार्ड को 45वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए ग्रामीण विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में आरबीआई-नाबार्ड की मजबूत साझेदारी की सराहना की। उन्होंने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस तथा ग्रामीण क्रेडिट स्कोर जैसी आरबीआई की प्रमुख पहलों की जानकारी दी, जिनका उद्देश्य ग्रामीण वित्तीय ढांचे को मजबूत करना और ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन रणनीति 2025-2030 के तहत कम से कम 30 प्रतिशत महिला बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों को मजबूत बनाने के लिए बेहतर निगरानी, अर्ली वार्निंग सिग्नल ईडब्ल्यूएस तथा रेड फ्लैगिंग फ्रेमवर्क अपनाने पर भी बल दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सतत ऋण वितरण सुनिश्चित हो सके। श्री विकास मित्तल ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास के लिए संस्थागत सहयोग, समय पर ऋण उपलब्धता, बाजार से जोड़ने तथा लाइवलीहुड एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम एलईडीपी और माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम एमईडीपी जैसी क्षमता विकास पहलों के माध्यम से नाबार्ड की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने गैर-कृषि आधारित उद्यमों में महिला किसानों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने जम्मू-कश्मीर के सहकारी क्षेत्र की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए सहकारी बैंकों को नियामकीय अनुपालन और संस्थागत रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई, ताकि वे पैक्स को बेहतर सहयोग प्रदान कर सकें और पैक्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना का अधिकतम लाभ उठा सकें। उन्होंने नाबार्ड के रिटर्नेबल ग्रांट फ्रेमवर्क की भी जानकारी दी, जो अनुदान की लचीलापन और ऋण की स्थिरता को जोड़कर संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग और वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देता है।

राजौरी की पवित्र भैरव यात्रा को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर सूची में मिला स्थान

राजौरी, 14 जुलाई। राजौरी की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची (नेशनल इन्वेंटरी ऑफ इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ इंडिया) में शामिल कर लिया गया है। यह उपलब्धि जिले की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

सदियों पुरानी इस यात्रा को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने के उद्देश्य से इसका प्रस्ताव उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा तैयार, प्रलेखित और प्रस्तुत किया गया था।

इस प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर के संस्कृति विभाग के माध्यम से आगे बढ़ाया गया। इस प्रक्रिया में संस्कृति विभाग के सचिव बृज मोहन शर्मा ने मार्गदर्शन, समन्वय और आवश्यक सहयोग प्रदान किया, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्ताव पर विचार संभव हो सका।

भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची के अद्यतन के लिए गठित अस्थायी समिति द्वारा मूल्यांकन और अनुशंसा के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

यह मान्यता भैरव यात्रा के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व, राजौरी के लोगों की आस्था एवं पहचान से उसके गहरे संबंध तथा पीढ़ियों से स्थानीय समुदायों और श्रद्धालुओं द्वारा इस परंपरा के संरक्षण के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्रदान करती है।

उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने इसे राजौरी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय सूची में भैरव यात्रा का शामिल होना उन पीढ़ियों के श्रद्धालुओं और स्थानीय समुदायों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस परंपरा को जीवित रखा है। उन्होंने कहा, इस मान्यता से राजौरी की सांस्कृतिक पहचान के एक महत्वपूर्ण हिस्से को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

आयुक्त सचिव सूचना प्रौद्योगिकी ने जाकेगा की पहलों की समीक्षा की, डिजिटल सुशासन को और मजबूत बनाने पर दिया जोर

श्रीनगर, 14 जुलाई। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के आयुक्त सचिव सौरभ भगत ने आज जम्मू-कश्मीर ई-गवर्नेंस एजेंसी (जाकेगा) की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिजिटल सुशासन से जुड़ी प्रमुख पहलों की प्रगति की समीक्षा की तथा केंद्र शासित प्रदेश में डिजिटल अवसंरचना, साइबर सुरक्षा और नागरिक-केंद्रित सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए भावी कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में जम्मू-कश्मीर राज्य डेटा सेंटर (जेकेएसडीसी) के आधुनिकीकरण, ई-ऑफिस के क्रियान्वयन, स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (स्वान), साइबर सुरक्षा पहलों, सॉफ्टवेयर विकास ढांचे, डिजिटल विलेज सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित पहलों, मानव संसाधन से जुड़े मुद्दों तथा मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।आयुक्त सचिव ने एकीकृत एवं सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर बल देते हुए जाकेगा को निर्देश दिए कि जम्मू-कश्मीर राज्य डेटा सेंटर को केंद्र शासित प्रदेश का एकमात्र सरकारी डेटा सेंटर बनाने के लिए विश्वस्तरीय अवसंरचना और मजबूत साइबर सुरक्षा क्षमता से युक्त व्यापक नीति तैयार की जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों के डेटा सेंटरों को चरणबद्ध तरीके से राज्य डेटा सेंटर में एकीकृत करने के भी निर्देश दिए, ताकि कार्यकुशलता बढ़े, संसाधनों का बेहतर उपयोग हो तथा सुरक्षा और मजबूत हो सके। सरकारी डिजिटल परिसंपत्तियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए सौरभ भगत ने परियोजना स्वीकृति, स्वामित्व, स्रोत कोड हस्तांतरण, रखरखाव तथा जीवनचक्र प्रबंधन को शामिल करते हुए एक समान सॉफ्टवेयर विकास नीति तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराव समाप्त करने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मानकीकृत तकनीकी ढांचा अपनाने पर भी जोर दिया। आयुक्त सचिव ने जाकेगा को एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र, साइबर सुरक्षा आपदा पुनर्प्राप्ति ढांचा, सरकारी विभागों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, डिजिटल विलेज सेंटरों के विस्तार, सरकारी सेवाओं को व्हाट्सएप से जोड़ने, स्वान नेटवर्क को सुदृढ़ करने तथा मजबूत आईपी टेलीफोनी समाधान लागू करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए। ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सौरभ भगत ने तहसील और ब्लॉक स्तर तक इस प्रणाली के विस्तार के लिए जाकेगा की सराहना की तथा सभी उपायुक्तों को इसके अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रशासन में पारदर्शिता, दक्षता और कागज रहित कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिल सके।

स्कास्ट-कश्मीर की विस्तार निदेशक का तीन दिवसीय गुरेज दौरा सम्पन्न, कृषि गतिविधियों की समीक्षा और जनजातीय महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

बांदीपोरा, 14 जुलाई। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (स्कूास्ट-कश्मीर) की विस्तार निदेशक प्रो. रैहाना हबीब कांथ ने गुरेज का तीन दिवसीय दौरा सम्पन्न किया। इस दौरान उन्होंने गुरेज की तीनों घाटियों बगतोर, गुरेज और तुलैल का भ्रमण कर किसानों, महिला कृषकों तथा उभरते उद्यमियों के साथ विस्तृत संवाद किया।

दौरे के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) गुरेज द्वारा वर्ष 2026-27 में स्थापित फ्रंट लाइन प्रदर्शन (एफएलडी) तथा ऑन-फार्म ट्रायल (ओएफटी) की समीक्षा और निगरानी की गई। इसमें राष्ट्रीय बीज परियोजना (एनएसपी), स्कूास्ट-कश्मीर के माध्यम से उपलब्ध कराई गई गेहूं की किस्म एसडब्ल्यू-03 के परीक्षण भी शामिल थे। यह कार्यक्रम 70 हेक्टेयर क्षेत्र में संचालित किया गया, जिससे गुरेज, तुलैल और चकवाली के लगभग 700 किसान परिवार लाभान्वित हुए। इसके पश्चात उन्होंने बडुगाम स्थित आलू बीज ग्राम, तरबल के मक्का ग्राम तथा डंगन (बगतोर) के कुट्टू बीज ग्राम का निरीक्षण किया। विस्तार निदेशक ने कहा कि स्कूास्ट-कश्मीर के कुलपति प्रो. नजीर अहमद गनई के नेतृत्व में केवीके गुरेज को पारंपरिक फसलों के पुनर्जीवन, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन कृषि तकनीकों के प्रसार, कृषि उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने तथा जनजातीय किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए गंभीर और समर्पित प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों की सफल प्राप्ति के लिए केवीके गुरेज की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर उत्कृष्टता की ओर तेजी से अग्रसर है।

जम्मू-कश्मीर खेल परिषद ने अंडर-14 सब-जूनियर बालिका फुटबॉल टीम के चयन ट्रायल शुरू किए

श्रीनगर, 14 जुलाई। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद ने सोमवार को अंडर-14 सब-जूनियर बालिका फुटबॉल टीम के गठन के लिए चयन ट्रायल शुरू किए। चयनित टीम आगामी अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) सब-जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप-2026 में केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

चयन ट्रायल के पहले दिन केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 75 महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें कश्मीर संभाग से लगभग 60 तथा जम्मू संभाग से 15 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर टीम में स्थान बनाने का प्रयास किया।

चयन प्रक्रिया जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा गठित तकनीकी समिति की देखरेख में संपन्न हुई। समिति में अनुभवी फुटबॉल विशेषज्ञ और प्रशिक्षित कोच शामिल थे।

तकनीकी समिति ने खिलाड़ियों का मूल्यांकन तकनीकी कौशल, सामरिक समझ, शारीरिक फिटनेस तथा खेल की समग्र समझ जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर किया, ताकि सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, संभागीय चयन ट्रायल 13 और 14 जुलाई 2026 को मिनी स्टेडियम, परेड ग्राउंड, जम्मू तथा सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल स्टेडियम, टीआरसी, श्रीनगर में आयोजित किए जा रहे हैं।

दोनों संभागों से चयनित खिलाड़ियों को 16 और 17 जुलाई 2026 को सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल स्टेडियम, टीआरसी, श्रीनगर में आयोजित अंतिम चयन ट्रायल में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

इन ट्रायल के माध्यम से चयनित खिलाड़ी एआईएफएफ सब-जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप-2026 में जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह पहल जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के उस सतत प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत केंद्र शासित प्रदेश में महिला फुटबॉल को प्रोत्साहित करने, युवा खिलाड़ियों को समान अवसर प्रदान करने तथा प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन का मजबूत मंच उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।